Web Portal
www.ghatatighatana.com
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -49 सोमवार,19 दिसम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

दूसरों के अनुभव से लाभ उठाने वाला ही बुद्धिमान है।

-जवाहरलाल नेहरू-

अर्जेंटीना ने 36 साल बाद जीता विश्व कप

पेनल्टी शूटआउट में फ्रांस को हराया

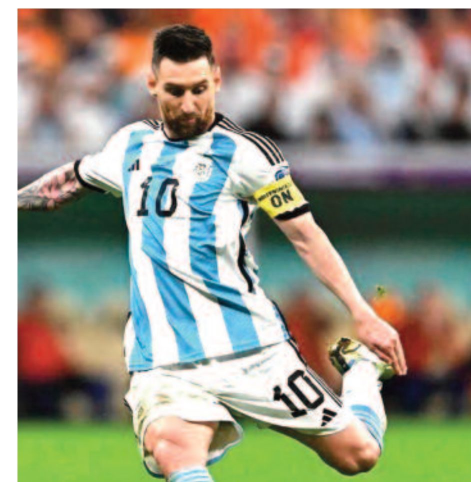

कतर का लुसैल स्टेडियम रविवार (18 दिसंबर) को फुटबॉल के एक एतिहासिल मैच का गवाह बना

कतर ,18 दिसंबर 2022 (ए)। कतर में विश्व कप के फाइनल में अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया। वह 36 साल बाद विश्व कप जीतने में सफल रहा है। उसने 1978 और 1986 के बाद अब तीसरी बार खिताब को अपने नाम कर लिया है। निर्धारित 90 मिनट तक मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहने के बाद एक्स्ट्रा टाइम में मैच पहुंच गया। वहां लियोनल मेसी ने एक गोल कर अर्जेंटीना को 3-2 से आगे कर दिया, लेकिन किलियन एम्बाप्पे के मन में कुछ और ही था। उन्होंने 117वें मिनट में गोल कर मैच को 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना ने मैच को अपने नाम कर लिया।

कतर का लुसैल स्टेडियम रविवार (18 दिसंबर) को फुटबॉल के एक एतिहासिल मैच का गवाह बना। पेनल्टी शूटआउट तक चले मैच में अर्जेंटीना ने फ्रांस को 4-2 से हराकर विश्व कप अपने नाम कर लिया। दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में एक लियोनल मेसी और युवा स्टार किलियन एम्बाप्पे ने अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन किया। मेसी ने दो तो एम्बाप्पे ने तीन गोल दागे।

लियोनल मेसी ने मैच में पहला गोल 23वें मिनट में पेनल्टी पर किया। वह एक विश्व कप के सभी नॉकआउट मैचों में गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए। उनके बाद एंजेल डी मारिया 36वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को 2-0 से आगे कर दिया। हाफटाइम तक अर्जेंटीना की टीम 2-0 से आगे थी। हाफटाइम के बाद दोनों टीमों ने लगातार हमले किए, लेकिन गोल नहीं निकल पा रहे थे। 80 मिनट तक तो ऐसा लगा कि अर्जेंटीना अब मैच को आसानी से जीत लेगा, लेकिन किलियन एम्बाप्पे ने दो मिनट में दो गोल कर मैच को पलट दिया। उन्होंने 80वें और 81वें मिनट में गोल कर दिया।

निर्धारित 90 मिनट तक स्कोर 2-2 की बराबरी पर रहने के बाद मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंच गया। वहां दोनों टीमों को 15-15 मिनट के दो हाफ मिले। लियोनल मेसी ने 108वें मिनट में गोल कर मैच में अर्जेंटीना को 3-2 से आगे कर दिया। एक बार फिर लगा कि अर्जेंटीना जीत के करीब पहुंच गया है, लेकिन उसके राह में किलियन एम्बाप्पे फिर से खड़े हो गए। उन्होंने 117वें मिनट में गोल कर मैच को 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया। वहां अर्जेंटीना ने मुकाबले को 4-2 से अपने नाम कर लिया।

संक्षिप्त खबरें

गुरदासपुर में फिर घुसा पाकिस्तानी ड्रोन

गुरदासपुर ,18 दिसंबर2022 (ए)। भारत-पाक सीमा पर लगातार भेजे जा रहे पाकिस्तानी ड्रोन के भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के प्रयासों को बीएसएफ के जवान नाकाम कर रहे हैं। इसी तरह का मामला एक बार फिर सामने आया है। दरअसल, पंजाब में गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक में बीएसएफ की चंदू वडाला पोस्ट पर 250 मीटर की ऊचाई पर पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया है, जो 15 सैकेंड तक भारत की सरहद के अंदर रहा, लेकिन मुस्तैद बीएसएफ के जवानों ने 40 राउंड फायरिंग की और 6 इल्लु बम भी चलाए जिसके बाद ड्रोन पाकिस्तान की और चला गया। फिलहाल बीएसएफ और पुलिस की ओर से इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

अब दिलदार! पत्नी की हत्या कर शव के किए 12 टुकड़े और कुत्तों के झुंड के बीच फैंके

साहिबगंज ,18 दिसंबर2022 (ए)। झारखंड से दिल दहला देने वाली घटना की खबर सामने आई है। यहां श्रद्धा हत्याकांड जैसा कांड देखने को मिला है। दरअसल, साहिबगंज में बोरिया संथाली के एक निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र के पीछे मानव अंग के टुकड़े मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शनिवार शाम इस घटना की भनक तब लगी जब किसी शख्स ने आंगनबाड़ी केंद्र के पीछे एक महिला के पैर और सीने के कटे टुकड़े को कुत्ते को नोच-नोचकर खाते देखा। पुलिस ने आरोपी पति दिलदार अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है।

2 बसों में भीषण टक्कर,3 यात्रियों की मौत,20 घायल

नोएडा ,18 दिसंबर2022 (ए)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर रविवार तड़के दो बसों में भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई जबकि कई यात्री घायल हो गए, जिनमें दो की हालत नाजुक है। घटना की

जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क के पास ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह 2 बसें आपस में टकरा गईं। खबरों के मुताबिक, इस भीषण सड़क हादसे में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और 20 लोग घायल हो गए। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा है। पुलिस दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई है।

चीन हमें आंख दिखा रहा है उनका सामान खरीदना बंद करो:अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली ,18 दिसंबर2022 (ए)। सीमा पर जारी भारत-चीन टेंशन के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का बयान सामने आया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चीन हमको आंखें दिखा रहा है। जब तब हमला कर रहा है, लेकिन भारत सरकार कह रही है कि सब ठीक है। केंद्र सरकार को सख्त रवैया दिखाना चाहिए। हमें चीन के सामान को खरीदना बंद करना चाहिए। मैं केंद्र सरकार से चीन के सामान के इम्पोर्ट पर बैन लगाने की मांग करता हूं।

चीन के सामान पर लगे बैन

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि क्या हम भारत में ये सब सामान नहीं बना सकते? हम चीन से चप्पल क्यों खरीदें? चीन के सामान पर बैन लगना ही चाहिए। हमारी सेना के जवान सीमा पर चीन का डटकर मुकाबला कर रहे हैं।

अपनी जान तक दे रहे हैं, कई जवानों ने अपनी जान दी। उसके बावजूद सुनने में आता है कि चीन इतने किमी अंदर घुस गया।

केंद्र सरकार पर केजरीवाल का निशाना

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इतना कुछ होने के बाद भी भारत सरकार कहती है कि सब ठीक है। मीडिया-सोशल मीडिया में भी आता है कि सरकार ठीक कह रही है। अब एक तरफ चीन हमें आंखें दिखा रहा है, हमारा सैनिक सीमा पर चीन का डटकर मुकाबला कर रहा है। उसको आंख दिखाने के बजाय हम उसको इनाम दे रहे हैं, उससे और सामान खरीद रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि 2020-21 में हम लोगों ने चीन का 65 बिलियन डॉलर यानी करीब सवा 5 लाख करोड़ रुपये का सामन खरीदा। चीन ने जब और आंख दिखाई तो हमने अगले साल 95 बिलियन डॉलर्स यानी करीब साढ़े 7 लाख करोड़ रुपये का सामान खरीदा। केंद्र पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि आपको तो उनका सामान खरीदना बंद करना चाहिए था।

अब टोमैटो फ्लू का खतरा

नई दिल्ली ,18 दिसंबर2022 (ए)। कोविड-19 के बाद देश में हैंड फूट एंड माउथ डिजीज, जिसे टोमैटो फ्लू भी कहा जाता है, ने कई राज्यों में काफी डर पैदा कर दिया है. टोमैटो फ्लू एक वायरल इंफेक्शन है, यह आमतौर पर हाथ-पैर और मुंह को अपना निशाना बनाता है. यह एक आम संक्रामक बीमारी है जो ज्यादातर एक से पांच साल की उम्र के बच्चों में होती है.

प्रारंभ में, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में टोमैटो फ्लू के मामले सामने आए. टोमैटो फ्लू की पहचान सबसे पहले 6 मई, 2022 को केरल के कोल्लम जिले में हुई थी. केरल स्वास्थ्य विभाग ने वायरल संक्रमण के प्रसार की निगरानी करने और भारत के अन्य हिस्सों में इसके प्रसार को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए. सितंबर में, असम में टोमैटो फ्लू के 100 से अधिक मामले सामने आए, जो राज्य के स्वास्थ्य विभाग के लिए खतरे की घंटी है. डिब्रूगढ़ जिले के दो स्कूलों से सबसे अधिक मामले सामने आए.

एम्स साइबर अटैक मामले में दिल्ली पुलिस ने इंटरपोल के जरिए चीन से मांगा डाटा

नई दिल्ली ,18 दिसंबर2022 (ए)। देश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एम्स के सर्वर पर हुए साइबर अटैक मामले की जांच के दौरान अब दिल्ली पुलिस ने इंटरपोल के जरिए चीनी हैकरों के बारे में जानकारी मांगी है ।दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक विभाग ने इस काम के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को पत्र लिखा है ।

एम्स साइबर अटैक मामले की जांच कर रहे दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने सीबीआई के जरिए इंटरपोल को पत्र लिखा है। इस पत्र में चीन की इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली कंपनी से डाटा मांगा है। दिल्ली पुलिस ने पूछा है कि हैकरों के दो मेल हैं, उनके आईपी एड्रेस किसको दिए हैं, आईपी एड्रेस लेने वाले इन मेल को कब से इस्तेमाल कर रहे हैं, क्या ये व्यक्ति को दिए गए हैं या फिर कंपनी को दिए गए हैं और इन मेल का क्या-क्या इस्तेमाल हो रहा है? आदि।

हैकरों ने दो मेल भेजकर साइबर अटैक को ठीक करने के बदले में पैसे मांगे हैं। डाटा का नुकसान हुआ है

स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि साइबर अटैक के बाद एम्स का डाटा बैकअप से मिला गया है। इसके बावजूद साइबर अटैक से कुछ डाटा का नुकसान हुआ है। कोशिश की जा रही है कि पूरी डाटा मिल जाए।

बजट से पहले पीपीएफ खाताधारकों के लिए अच्छी खबर!

अब लाखों में कर सकेंगे इंवेस्टमेंट

नई दिल्ली ,18 दिसंबर2022 (ए)। पीपीएफ खाताधारकों के लिए एक खुशखबरी है। दरअसल, बजट 2023 से पहले मांगे गए सुझावों में संस्थाओं ने पीपीएफ की सीमा बढ़ाने की मांग की है और इसको तीन लाख करने की मांग की गई है। बता दें कि प्री-बजट में सरकार को सौंपे गए ज्ञापन में आईसीएआई पीपीएफ में इंवेस्टमेंट लिमिट को बढ़ाकर 3 लाख रुपये सालाना करने की मांग की है।

मौजूदा समय में पीपीएफ में 500 रुपये मिनिमम इंवेस्टमेंट से लेकर लाखों रुपये तक का भी निवेश किया जा सकता है। दरअसल, पीपीएफ में अधिकतम निवेश

की सीमा फिलहाल 1.5 लाख रुपये सालाना है। ऐसे में अब इस सीमा को और बढ़ाए जाने की मांग की गई है।

बता दें कि सरकार की ओर से कई स्कीम चलाई जा रही है। इनमें कई स्कीम लोगों को बचत करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। इन स्कीम में से एक पीपीएफ भी एक है। बता दें कि सरकार सार्वजनिक भविष्य निधि लोगों को लंबे समय के लिए इंवेस्टमेंट करने के लिए प्रोत्साहन देती है। इस स्कीम के जरिए पैसा इंवेस्ट कर उस पर बढ़िया रिटर्न भी हासिल किया जा सकता है।

पीपीएफ अन्य सभी छोटी बचत योजनाओं की तरह वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र सहित सरकार के जरिए छोटी बचत को प्रोत्साहित करने और उन पर रिटर्न प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। चूंकि पीपीएफ योजना कर नीति की ईएक्सईएमपीटी ईएक्सईएमपीटी -ईएक्सईएमपीटी (ईईई) श्रेणी के अंतर्गत आती है, इस कारण मूल राशि, परिपक्वता राशि, साथ ही अर्जित ब्याज टैक्स से मुक्त है।

पीएम मोदी ने त्रिपुरा को दी 4350 करोड़ की सौगात

स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने के लिए दी बधाई

अगरतला ,18 दिसंबर 2022 (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अगरतला में 4,350 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। रविवार को अगरतला पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थियों के लिए गृह प्रवेश कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इन घरों को 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया था और इसमें 2 लाख से अधिक लाभार्थी शामिल होंगे।

सड़क संपर्क में सुधार पर ध्यान देने के साथ, प्रधानमंत्री ने अगरतला बाईपास (खैरपुर-अमतली) ह॥-08 के चौड़ीकरण के लिए परियोजना का उद्घाटन किया, जो अगरतला शहर में यातायात की भीड़ को कम करने में मदद करेगा।

पीएम मोदी ने पीएमजीएसवाई आईआईआई (प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना) के तहत 230 किमी से अधिक लंबाई की 32 सड़कों और 540 किमी से अधिक की दूरी वाली 112 सड़कों के सुधार के लिए आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने आनंदनगर में स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट और अगरतला गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज का भी उद्घाटन किया।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, पिछले 8 साल में नॉर्थ ईस्ट सेक्टर में कई नेशनल हाईवे बने हैं। कई ग्रामीण क्षेत्र सड़कों से भी जुड़े हुए हैं। हमारी डबल इंजन सरकार का ध्यान भौतिक, डिजिटल के साथ-साथ सामाजिक बुनियादी ढांचे में सुधार पर है।

पीएम मोदी ने कहा, मैं स्वच्छता को एक जन आंदोलन बनाने के लिए त्रिपुरा के लोगों को बधाई देता हूं। इससे त्रिपुरा सबसे छोटे राज्यों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ राज्य बनकर उभरा है। मैं त्रिपुरा को आज एक नया डेंटल कॉलेज मिलने पर बधाई देता हूं।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, आज डबल इंजन सरकार का प्रयास है कि त्रिपुरा के छोटे किसानों, छोटे उद्यमियों और सबको बेहतर अवसर मिले। यहां का लोकल कैसे ग्लोबल बने इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है।

इससे पहले रविवार को पीएम मोदी ने अगरतला में रोड शो किया। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सड़क के दोनों ओर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। उन्होंने पीएम मोदी के काफिले पर पुष्प वर्षा भी की।

लोकायुक्त विधेयक पेश करेगी महाराष्ट्र सरकार

मुख्यमंत्री और पूरा मंत्रिमंडल इसके दायरे में होगा

नागपुर ,18 दिसंबर2022 (ए)। एक महत्वपूर्ण कदम के तहत शिंदे फडणवीस सरकार लोकपाल की तर्ज पर एक लोकायुक्त विधेयक पेश करेगी जिसमें मुख्यमंत्री और कैबिनेट अब लोकायुक्त के दायरे में होंगे. सरकार भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत शक्तियाँ देकर वर्तमान दंतहीन लोकायुक्त को बदलने का प्रस्ताव करती है जो वर्तमान कानून में अनुपस्थित था।

नागपुर में रविवार को आयोजित महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की पूर्व संध्या पर राज्य मंत्रिमंडल ने भ्रष्टाचार विरोधी योद्धा अन्ना हजारे द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया है। इसकी

घोषणा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य कैबिनेट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में और पारंपरिक चाय बैठक के बाद की, जिसका विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया था।

शिंदे और फडणवीस ने कहा कि लोकायुक्त विधेयक को शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा और सवाल किया कि महा विकास अघाड़ी सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान विधेयक को पेश क्यों नहीं किया। फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि सरकार ने यह तय नहीं किया है कि प्रस्तावित कानून के तहत कार्रवाई भी पूर्वव्यापी होगी या नहीं।%% भाजपा-शिवसेना सरकार ने 2014-19 के दौरान अन्ना हजारे की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था। हालांकि, एमवीए सरकार के दौरान उस मोर्चे पर कोई प्रगति नहीं हुई। हालांकि मौजूदा सरकार ने अन्ना हजारे की कमेटी की रिपोर्ट को मान लिया है. मुख्यमंत्री ने नए लोकायुक्त अधिनियम को मंजूरी दे दी है। प्रदेश में पहली बार हम मुख्यमंत्री और पूरे मंत्रिमंडल को लोकायुक्त के दायरे में लाने जा रहे हैं। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम को लोकायुक्त का अंग बनाया गया है। वर्तमान में, यह उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं था, %% फडणवीस ने कहा। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त का पद उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के पास रहेगा।

शिंदे ने लोकायुक्त विधेयक पेश करने के राज्य सरकार के कदम का पुरजोर बचाव करते हुए कहा कि सरकार पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त कामकाज मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विपक्ष के इस दावे पर भी कटाक्ष किया कि राज्य सरकार ने जून में अपने गठन के बाद से यह कहते हुए कुछ नहीं किया कि उसने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए लोकायुक्त विधेयक लाने का साहसिक निर्णय लिया है।

एनजीओ की ऊपरी मंजिल में लगी आग,लाखों का सामान जलकर राख

मनाली ,18 दिसंबर2022 (ए)। पर्यटन नगरी मनाली के खखनाल में राधा एनजीओ भवन की ऊपरी मंजलि में आग लग गई। भवन में आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो गई है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह अचानक एनजीओ भवन में आग की लपटें उठना शुरू हुई। इस भवन में अम्मा के नाम से चर्चित सुदर्शन ठाकुर के साथ काफी बच्चे रहते हैं। भवन में आग लगते ही अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसके बाद इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग पर काबू पाया। आगजनी की इस घटना में राधा एनजीओ का सारा सामान और बच्चों द्वारा तैयार किए गए जुराब, स्वेटरों सहित अन्य सामान जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि आग लकने से एनजीओ को लाखों का नुकसान हुआ है। फिलहाल आग लगने के कारमओं और घटना में हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

संपादकीय

सीमा को ले कर देश को भरोसे में लें

अरुणाचल प्रदेश पर चीन की नजर है। रक्षा विशेषज्ञों ने कहा है कि अभी जो हुआ है, वह ग्रे-जोन ऑपरेशन है। लेकिन आगे बात और बिगड़ सकती है। चीन का अधिक आक्रामक रुख देखने को मिल सकता है।

खबरों के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प नौ दिसंबर को हुई। 12 दिसंबर को उसकी खबर सूत्रों के हवाले से आई। अब यह हैरतअंगेज नहीं है कि तीन दिन तक दोनों देशों की सरकारें ऐसी भड़काऊ घटना को लेकर चुप्पी साधे रहीं? हैरतअंगेज हाल यह भी है कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ-साथ कूटनीतिक मोर्चे भी तनाव जारी होने के बावजूद कारोबार के क्षेत्र में संबंध लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। ऐसे में एक आम भारतीय के लिए यह समझना कठिन हो गया है कि दोनों देशों के बीच रिश्तों की वास्तविक स्थिति क्या है। जून 2020 में गलवान में दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प होने के बाद भारत सरकार की तरफ से आए कुछ बयानों ने भ्रम और बढ़ा दिया था। मसलन, प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारतीय क्षेत्र में कोई घुसपैठ नहीं हुई है। उधर केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह ने तो यहां तक कह दिया था कि चीन के फौजियों ने जितनी बार घुसपैठ की है, उससे कई गुना ज्यादा बार भारतीय सैनिकों ने ऐसा किया है।

इस बीच देश के अंदर राष्ट्रवादी भावनाओं का उफान जरूर आया, लेकिन जहां चीन को सचमुच जवाब देने की जरूरत थी, वहां कुछ हुआ- ऐसी जानकारी सार्वजनिक रूप से मौजूद नहीं है। अब जबकि अरुणाचल प्रदेश से लगी चीन की सीमा पर भी हालात बिगड़ने के संकेत हैं, तो यह उचित अपेक्षा है कि भारत सरकार इस बारे में देश को भरोसे में ले। इसकी शुरुआत सर्वदलीय बैठक से की जा सकती है, लेकिन जरूरी यह भी है कि आम जन को भी वास्तविक स्थिति के बारे में मालूम हो। ऐसी चर्चाएं रही हैं कि अरुणाचल प्रदेश पर चीन की नजर है। रक्षा विशेषज्ञों ने कहा है कि अभी जो हुआ है, वह ग्रे-जोन ऑपरेशन है। लेकिन आगे जा कर बात और बिगड़ सकती है और चीन का अधिक आक्रामक रुख देखने को मिल सकता है। इसलिए ऐसी तमाम अवांछित स्थितियों के लिए देश को तैयार रहना होगा। सरकार इसकी शुरुआत लोगों को असल हालत से जागरूक करते हुए कर सकती है।

आज भी बुनियादी जरूरतों से वंचित हैं अरबों लोग

मानवाधिकारों की विस्तृत व्याख्या के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने सर्वप्रथम 27 जनवरी 1947 को एक आयोग गठित किया गया था, जिसकी सिफारिशों के सार्वभौमिक घोषणा पत्र को संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों ने 1948 में सर्वसम्मति से स्वीकार किया था। मनुष्य के जीवनयापन और विकसित होने के मूलभूत (सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक) अधिकारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 'मानवाधिकार' के रूप में स्वीकार किया गया। वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना ही इस उद्देश्य से की गई थी कि भविष्य में द्वितीय विश्वयुद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न न होने पाए और संयुक्त राष्ट्र ने अपनी स्थापना के कुछ ही समय बाद मानवाधिकारों का संरक्षण किए जाने की ओर ध्यान देना शुरू किया लेकिन विड़म्बना है कि मानवाधिकारों की घोषणा के 74 वर्ष बाद भी दुनियाभर में अरबों लोग संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित मानवाधिकारों से वंचित हैं। अरबों लोग रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी जरूरतों से महरूम हैं। एक अरब से भी ज्यादा लोग कम अथवा ज्यादा कुपोषण के शिकार हैं। कुपोषण की वजह से प्रतिदिन हजारों बच्चे काल के ग्रास बन रहे हैं। दुनियाभर में करोड़ों बच्चे बाल मजदूरी का दंश झेल रहे हैं। भारत में करोड़ों बच्चे अपने मासूम बचपन को बाल मजदूरी की तपती भट्ठी में झोंकने को विवश हैं, जो स्कूली शिक्षा से भी वंचित हैं।

औद्योगिकीकरण की अंधी दौड़ में देश में मजदूर महिलाओं और छोटे-छोटे मासूम बच्चों का शारीरिक व मानसिक शोषण किसी से छिपा नहीं है। विश्वभर में अरबों लोग आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से वंचित हैं। एक अरब से अधिक लोगों को पीने के लिए स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हैं। मानवाधिकारों की दृष्टि से यदि हम इसका विवेचन करें तो क्या ये सभी उचित स्तर पर जीवन यापन के अधिकार, शिक्षा के अधिकार, जीवन के प्रति सुरक्षा के अधिकार, शोषण से मुक्ति के अधिकार तथा अन्य सामाजिक अधिकारों से पूर्णतया वंचित नहीं हैं? क्या यह सरासर मानवाधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं है? क्या यह मानवाधिकार आयोगों का दायित्व नहीं है कि वे इन विसंगतियों को दूर करने के लिए सार्थक एवं प्रभावी कदम उठाएं? आधुनिक भारत में करोड़ों लोग आज भी भूखे-नंगे अपनी जिंदगी के दिन जैसे-तैसे उद्देश्यहीन पूरे कर रहे हैं। क्या ऐसे लोगों के लिए मानवाधिकारों का कोई महत्व हो सकता है? ऐसे में क्या 'मानवाधिकार' शब्द महज एक जुमला प्रतीत नहीं होता है?

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार आयोग के अलावा लगभग प्रत्येक राष्ट्र में मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सक्रिय हैं लेकिन आज भी जिस गति से मानवाधिकारों का हनन हो रहा है, उससे मानवाधिकार आयोगों के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लगता है। दुनियाभर में दो प्रमुख मानवाधिकार संगठनों 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' व 'ह्यूमन राइट वाच' का खासतौर से उल्लेख किया जा सकता है, जो दुनियाभर की स्थिति पर नजर रखते हैं और प्रतिवर्ष इस पर अपनी रिपोर्ट देते हैं। मानवाधिकार हनन के मामले में हर देश की क्रमानुसार स्थिति दर्शायी जाती है और इस रिपोर्ट के आधार पर जिस देश में मानवाधिकार की स्थिति दयनीय होती है, उसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर न केवल आलोचना का शिकार होना पड़ता है बल्कि अमेरिका जैसे विकसित देश उस पर आर्थिक प्रतिबंध भी लाद देते हैं लेकिन वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ समय से इन संगठनों की रिपोर्टों को भी पूरी तरह निष्पक्ष नहीं माना जाता। इन रिपोर्टों के पीछे अमेरिका इत्यादि विकसित देशों के अपने निजी हित या स्वार्थ भी छिपे होते हैं।

भारत में मानवाधिकार संगठनों की सक्रियता खासतौर से पंजाब के आतंकवाद के भयावह दौर से देखी जा रही है, जब इन संगठनों को पुलिस तथा सेना के जवानों की हर छोटी-बड़ी कार्रवाई तो नजर आती थी लेकिन आतंकवादियों की करतूतों के विरूद्ध इनकी जुबान पर सदैव लगाम कसी रही। इस बारे में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस ए.एस. आनंद ने एक बार कठोर टिप्पणी करते हुए कहा था कि ये संगठन सुरक्षा बलों के अत्याचारों पर तो उंगली उठाते हैं पर आतंकवादी संगठन कश्मीर में जो कुछ कर रहे हैं, उस पर चुप रहते हैं। वास्तविकता भी यही है कि यदि कोई आतंकवादी अथवा शरारती तत्व पुलिस अथवा सेना के हाथों मारे जाएं तो मानवाधिकारवादी संगठन खूब हो-हल्ला मचाते हैं लेकिन यदि यही सिरफिरे लोग निर्दोषों के लहू से होली खेलें, अबलाओं की इज्जत के सरेआम चिथड़े उड़ाएं, उन्हें गैंगरेप जैसी पाशविक घटनाओं को अंजाम देकर जिंदा जला डालें तो ऐसी हैवानियत मानवाधिकार के ठेकेदारों को नजर नहीं आती बल्कि ऐसे मामलों में इन संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाने वालों के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया जाता है कि आतंकवादी संगठन किसी स्थापित कानून के तहत काम करने वाली कोई सरकारी संस्था नहीं हैं और वैसे भी आतंकवादी संगठनों की कार्रवाई चूंकि कानून की नजर में अपराध है, अतः यदि कोई आतंकवादी या अराजक तत्व पकड़ा भी जाए, तब उसके खिलाफ कानून के मुताबिक ही कार्रवाई होनी चाहिए।

हालांकि ऐसा नहीं है कि मानवाधिकार संगठनों की भूमिका हर मामले में संदेहास्पद रही हो बल्कि कुछ मामलों में इन संगठनों ने सही मायनों में पीड़ित मानवता के हित में सार्थक पहल की है पर यह भी सच है कि दुनियाभर में आज भी अरबों लोग मानवाधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा के 74 वर्षों बाद भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए 1961 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि दुनियाभर में करीब 120 देशों में मानवाधिकारों का बड़े पैमाने पर हनन हो रहा है।

भारत में सितम्बर 1993 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन किया गया था, जिसका उद्देश्य मानवाधिकारों का संरक्षण व उनको प्रोत्साहन देना ही था। आयोग के गठन के कुछ ही समय बाद आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि देश की सभी जटिलताओं को दृष्टिगत रखते हुए आयोग मानता है कि जो लोग सर्वाधिक दुर्बल हैं, उनके रक्षण का आयोग पर एक विशेष और अपरिहार्य दायित्व है लेकिन आयोग अपने गठन के बाद के इन 29 वर्षों में भी अपने दायित्वों को निभाने में कितना सफल रहा है, इसकी पड़ताल किए जाने की आवश्यकता है। विड़म्बना है कि देश की सुरक्षा के नाम पर सुरक्षातंत्र को मजबूत करने व सैन्य शक्ति बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक हथियारों व उपकरणों की खरीद-फरोख्त के लिए तो हमारी सरकारें विभिन्न माध्यमों से चंद दिनों में ही अरबों रुपये जुटा सकती है लेकिन जब बात आती है राष्ट्र को निर्धनता, कुपोषण और भुखमरी के घोर अभिशाप से मुक्ति दिलाने की तो सारे सरकारी खजाने खाली हो जाते हैं। यदि इस दिशा में कभी कुछ करने का प्रयास किया भी जाता है तो ऐसी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने से पहले ही उनका बहुत बड़ा हिस्सा हमारे कर्णधार और नौकरशाह डकार जाते हैं। ऐसे में केवल मानवाधिकारों के संरक्षण एवं प्रोत्साहन का ढ़ोल पीटने रहने से ही आखिर हासिल क्या हो रहा है?

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़
नई दिल्ली

जाति व्यवस्था से ज्यादा हीन या श्रेष्ठ मानना एक समस्या है

जाति आधारित व्यवसाय कोई समस्या नहीं है लेकिन एक व्यवसाय को हीन या श्रेष्ठ मानना एक समस्या है। हर पेशे का सम्मान होना चाहिए। महात्मा गांधी की ÷ब्रेड लेबर÷ (हर किसी को कुछ शारीरिक श्रम करना चाहिए) और ट्रस्टीशिप (पूंजीपतियों का समाज के प्रति ऋष्टा) की अवधारणा इसी पर आधारित है। इससे जाति आधारित समस्याओं को एक हद तक कम किया जा सकता है। लोगों के दिमाग से अंतर्विवाह और शुद्ध रक्त की प्रथा को मिटा देना चाहिए। सभी को जाति, धर्म या किसी अन्य पहचान के बावजूद व्यक्ति से विवाह करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। यह पहचान आधारित समस्याओं को भी कम कर सकता है। जाति व्यवस्था कोई अभिशाप नहीं है। लेकिन एक जाति को श्रेष्ठ या प्रभुत्वशाली मानने को बंद कर देना चाहिए। जाति को निजी स्थान तक सीमित रखा जाना चाहिए और सार्वजनिक डोमेन में नहीं लाना चाहिए। साक्षरता का स्तर बढ़ाना और मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना जाति व्यवस्था को समाप्त कर सकता है या निजी स्थान तक सीमित कर सकता है।

जाति भारत में वर्ण व्यवस्था के रूप में पूर्व-आधुनिक युग में उत्पन्न सामाजिक स्तरीकरण की एक प्रणाली है। वर्ण व्यवस्था केवल उस व्यवसाय पर आधारित है जो ब्राह्मण (पुजारी), क्षत्रिय (गार्ड), वैश्य (व्यापारी), और शूद्र (सीवेज कार्यकर्ता) का काम करता है। जाति जो व्यवसाय की पहचान के रूप में उत्पन्न हुई बाद में जन्म पहचान में बदल गई। स्वतंत्रता के दौरान भारत में जाति व्यवस्था भयानक थी और समाज के हर क्षेत्र पर इसका सबसे बुरा प्रभाव पड़ा और अछूत नामक नया शब्द इस युग में अस्तित्व में आया। भारत के सामाजिक कार्यकर्ताओं और दार्शनिकों ने जाति की इस व्यवस्था की कड़ी आलोचना की। उदाहरण के लिए ज्योतिराव फुले एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जाति और इसकी व्याख्याओं का विरोध किया और उन्होंने हिंदू संदर्भ में निर्माता के अस्तित्व के बारे में तर्क दिया। यदि निर्माता ब्रह्मा चाहते कि मनुष्य जाति व्यवस्था के अधीन हों तो क्यों जानवरों और पक्षियों जैसी अन्य प्रजातियां नहीं।

विवेकानंद ने जाति की मनुष्य की संस्थाओं में से एक के रूप में आलोचना की, जो व्यक्ति के मुक्त विचार और कार्रवाई की शक्ति को रोकती है। यह शैतानी है और इसे नीचे खत्म होना चाहिए। विवेकानंद के अनुसार विचार और कार्रवाई की स्वतंत्रता, विकास और विकास के जीवन की एकमात्र शर्त है। गांधीजी हालांकि अंबेडकर के जाति और आरक्षण के विचारों से असहमत थे, उन्होंने दावा किया कि जाति ने हिंदू धर्म को विघटन से बचाया है, लेकिन हर दूसरी संस्था की तरह यह

एक्सरेस्स से पीड़ित है। वे चार वर्णों को मौलिक, नैत्रह्य और आवश्यक मानते हैं। असंख्य जातियों या उपजातियों को एक बाधा माना जाता है। उन्होंने जाति में आनुवंशिकता की अस्वीकृति की वकालत की और तर्क दिया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी अन्य पर श्रेष्ठता की धारणा भगवान और मनुष्य के खिलाफ पाप है, और वर्तमान जाति व्यवस्था वर्णाश्रम का सिद्धांत विरोधी है। और जाति का अपने वर्तमान स्वरूप धर्म के साथ से कोई लेना-देना नहीं है।

भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाले विपुल लेखक और प्रमुख व्यक्ति अम्बेडकर का जन्म एक अनुसूचित जाति परिवार में हुआ था, जिसे अछूत समुदाय के रूप में वर्गीकृत किया गया था, उन्होंने जाति व्यवस्था की आलोचना की और अछूतों का वर्णन किया क्योंकि वे एक ही धर्म और संस्कृति से संबंधित हैं, फिर भी वे जिस समुदाय में रहते थे, उससे दूर और बहिष्कृत थे। उनके अनुसार अछूत पवित्र हैं और भारत के धर्मनिरपेक्ष कानूनों को मान्यता देते हैं। लेकिन वे समाज से अलग कर दिए जाते हैं और गांवों के बाहरी इलाकों में रहते हैं, जीवित रहने की निम्न स्थिति में आ जाते हैं। जाति व्यवस्था अम्बेडकर ने देखा कि एक व्यक्ति को जन्म से ही अछूत माना जाता था और उसकी निम्न सामाजिक स्थिति तय की गई थी।

अम्बेडकर का मत था कि उनके समय में जाति व्यवस्था सार्वभौमिक रूप से निरपेक्ष नहीं थी। अम्बेडकर द्वारा सूचीबद्ध जाति व्यवस्था लोगों को अलग-थलग करती है, निम्न जाति के व्यक्तियों में हीन भावना का संचार करती है और मानवता को विभाजित करती है। इसने भारत के लोगों को भारत के विकास और ज्ञान को साझा करने से रोका और स्वतंत्रता के फल बनाने और आनंद लेने की क्षमता को नष्ट कर दिया। यदि हम धर्म और जाति द्वारा जनसंख्या वितरण के आंकड़ों को देखें तो भारत के प्रमुख धर्म में जाति के सभी वर्गों में सबसे अधिक हिस्सेदारी है, यानी 22.2त्न एससी, 9त्न एसटी और 42.8त्न ओबीसी, जबकि यह अगड़ी जाति का 26त्न है। कई अन्य धर्मों जैसे मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध धर्म के बाद भी विभिन्न जातियों में उनका वितरण होता है।

औपनिवेशिक काल के दौरान अस्पृश्यों की स्थिति आमतौर पर उनके निचले स्तर से ऊपर थी, लेकिन बहुसंख्यकों के पास सीमित गतिशीलता थी। जातियों ने लोगों को केवल विघटित करने और असंख्य विभाजनों का कारण बनने के लिए विभाजित किया जो लोगों को अलग-थलग कर देते थे और भ्रम पैदा करते थे। जाति के अभिशाप ने समाज के लिए कई मानवीय नुकसान साबित किए। स्वतंत्र भारत ने 2005 की संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार जाति-संबंधी हिंसा देखी है, 1996 में दलितों के खिलाफ किए गए हिंसक कृत्यों के लगभग 31440 मामले दर्ज किए गए थे। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में प्रति 10000 दलित लोगों पर हिंसक कृत्यों के 1033 मामलों का दावा किया गया था। 2005 में विकसित देशों में प्रति 10000 लोगों पर हिंसक कृत्यों के 40 और 55 मामलों के बीच अप्रतिवेदित मामलों के संदर्भ में। इस तरह की हिंसा का एक उदाहरण 2006 का खैरलांजी नरसंहार है।

(उडुमालपेट) तमिलनाडु के एक 22 वर्षीय दलित व्यक्ति की हत्या की घटना ने हमारे समाज के सबसे बुरे पहलुओं और जाति व्यवस्था के सबसे बुरे प्रभावों को भी सामने ला दिया था। जातिगत गौरव का पुनरुत्थान, व्यक्तिगत अधिकारों के लिए एक बेशर्म उपेक्षा जब वे हेगेमोनिक आदेश के साथ संघर्ष में हैं और जाति की शुद्धता और प्रदूषण की धारणा में एक कालानुक्रमिक विश्वास है। इस मामले में भाड़े के लोगों के एक समूह ने वी शंकर नाम के व्यक्ति को बेरहमी से परेशान किया और उसकी पत्नी कौशल्या की मौके पर ही हत्या कर दी और दूसरे को सड़क किनारे घायल कर दिया। यह न केवल कानून के भय की कमी को दर्शाता है बल्कि यह एक बेचैन करने वाले विश्वास को भी प्रदर्शित करता है कि कोई भी उन्हें चुनौती देने या उनका पीछा करने की हिम्मत नहीं करेगा। इस तरह की हत्याओं को अक्सर ÷ऑनर किलिंग÷ कहा जाता है क्योंकि उनकी प्रेरणा इस विचार से उत्पन्न होती है कि एक महिला अपने समुदाय के बाहर एक पुरुष से शादी करती है, जिससे परिवार में बदनामी होती है।

दलितों के लिए आरक्षण सामाजिक सुधार प्रदान नहीं करता है। अभी भी दलित छात्र नाममात्र के विविध और समावेशी परिसरों में वास्तविक रूप से पृथक जीवन जीते हैं। जाति का न केवल समाज पर सबसे बुरा प्रभाव पड़ता है बल्कि देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था में भी जाति अपनी भूमिका निभाती है। ग्रामीण क्षेत्र में अपनी जातिगत पहचान और भूमि के वितरण में असमानता से निर्धारित एक व्यक्ति का सामाजिक वर्ग सदियों से जारी है। और ग्रामीण क्षेत्र में मनुष्य अपनी सामुदायिक परंपरा का पालन करने के लिए मजबूर है, भले ही उसके पास उससे बेहतर काम करने की क्षमता हो। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में जाति का प्रभाव अधिक संख्या में है। जिन नागरिकों को अपने प्रतिनिधि का चुनाव करने के योग्य व्यक्ति को वोट देना चाहिए, वे अक्सर अपने समुदाय के साथ जाते हैं, भले ही वह देश पर शासन करने के लिए उपयुक्त न हो।

यह सब जाति की धारणा पर आधारित है और इसका निकृष्ट रूप समुदाय ने ही विकसित किया है। भारत में सामाजिक स्तरीकरण प्रणाली का समर्थन करने वाले दर्शन ने आलोचनात्मक सोच और सहकारी प्रयासों को हतोत्साहित किया था, इसके बजाय उन ग्रंथों को प्रोत्साहित किया जो बेतुके दंभ, विचित्र कल्पनाओं और अराजक अटकलों से भरे थे। गतिशीलता की कमी, अज्ञानता भारत को विकास तकनीक से रोकती है जो मनुष्य को नंगे जीवन और जीवन को जानवर से बेहतर बनाने के प्रयास में सहायता कर सकती है।

आरक्षण देने के बजाय आरटीई एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। शिक्षा के महत्व का प्रचार-प्रसार ग्रामीण क्षेत्रों विशेषकर आदिवासी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में किया जाना चाहिए। प्रारंभिक शिक्षा में 100त्न सकल नामांकन और 0त्न ड्रॉप-आउट की उपलब्धि पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। हालांकि भारत जैसे विशाल और विविध राष्ट्र में यह बहुत मुश्किल है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और कुशल नौकरशाही के साथ यह असंभव नहीं है। पूरे देश में मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाई जानी चाहिए और स्थानीय भाषाओं में उनके महत्व को स्पष्ट रूप से समझाया जाना चाहिए। हर कोई पहले एक इंसान है और ये सभी पहचान जैसे जाति, धर्म आदि कृत्रिम रचनाएं हैं। जातिगत पहचान के आधार पर लोगों की लामबंदी बंद होनी चाहिए। खाप पंचायतों जैसी स्थानीय गैर-सरकारी अदालतों के फैसलों को भारतीय आधिकारिक अदालतों की मंजूरी मिलनी चाहिए। उनके निर्णय भारत के संविधान और संसद विधानों के अनुरूप होने चाहिए। ऑनर किलिंग और छुआछूत की घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाई जानी चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। दंड की जानकारी उस समाज को होनी चाहिए जहां ऐसे अपराध हो रहे हैं।

अंत में, जाति आधारित व्यवसाय कोई समस्या नहीं है लेकिन एक व्यवसाय को हीन या श्रेष्ठ मानना एक समस्या है। हर पेशे का सम्मान होना चाहिए। महात्मा गांधी की ÷ब्रेड लेबर÷ (हर किसी को कुछ शारीरिक श्रम करना चाहिए) और ÷ट्रस्टीशिप÷ (पूंजीपतियों का समाज के प्रति ऋष्टा) की अवधारणा इसी पर आधारित है। इससे जाति आधारित समस्याओं को एक हद तक कम किया जा सकता है। लोगों के दिमाग से अंतर्विवाह और शुद्ध रक्त की प्रथा को मिटा देना चाहिए। सभी को जाति, धर्म या किसी अन्य पहचान के बावजूद व्यक्ति से विवाह करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। यह पहचान आधारित समस्याओं को भी कम कर सकता है।

जाति व्यवस्था कोई अभिशाप नहीं है। लेकिन एक जाति को श्रेष्ठ या प्रभुत्वशाली मानने को बंद कर देना चाहिए। जाति को निजी स्थान तक सीमित रखा जाना चाहिए और सार्वजनिक डोमेन में नहीं लेना चाहिए। साक्षरता का स्तर बढ़ाना और मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना जाति व्यवस्था को समाप्त कर सकता है या निजी स्थान तक सीमित कर सकता है।

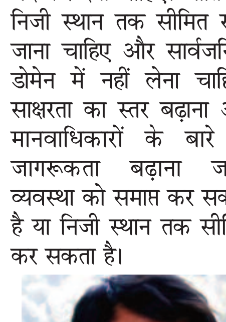

डॉ सत्यवान सौरभ,
बड़वा (सिवानी)
भिवानी, हरियाणा

आइकॉनिक साड़ी

साड़ी, सिलाई रहित और लपेटकर पहना जाने वाला एक विशिष्ट परिधान है, जो हर भारतीय महिला की अलमारी में निश्चित तौर पर विशेष स्थान रखता है। यह प्राचीन काल से ही धारण किए जाने वाला एक ऐसा पुरातन परिधान है, जो खुद को आधुनिक भारत में महिलाओं की प्राथमिकताओं और जीवन शैलियों में आ रहे बदलावों के अनुकूल कुशलता से ढालकर अपना चलन बरकरार रखे हुए है। साड़ी किसी महिला के जीवन के विभिन्न चरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उसे पहनने वाली महिला की उसके साथ अलग-अलग तरह की भावनाएं जुड़ी होती हैं। शहरी भारत में, साड़ी किशोरावस्था से वयस्कता की दहलीज पर कदम रखने का प्रतीक है, जब एक वयस्क युवती अपने स्कूल के विदाई समारोह में साड़ी पहनने को तत्पर होती है। साड़ी किसी दुल्हन के साजो-सामान का महत्वपूर्ण भाग होती है, और संतान के जन्म के अवसर पर भी उपहार में दी जाती है। हाथ से बनी शानदार साड़ियों को उनसे जुड़ी यादों और भावनात्मक लगाव के कारण विरासत के रूप में सहेज कर रखा जाता है, जो दादी-नानी से लेकर मां और बेटियों तक जाती हैं। गरिमापूर्ण अंदाज से बांधी गई साड़ी को पूरे भारत में आतिथ्य, विमानन, स्वास्थ्य सेवा और अन्य उद्योगों में कार्यरत महिलाओं के विशिष्ट यूनिफॉर्म के रूप में भी पहचाना जाता है, जो विनम्रता, कुशलता और सुरुचि का संदेश देती है। भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों की प्रतीक साड़ी राजनीति के क्षेत्र से जुड़ी नेत्रियों की भी पसंदीदा पोशाक है। बहुउपयोगी साड़ी विभिन्न अवतारों÷ शक्ति और श्रेष्ठता, आकर्षक और मनोहर, सुरुचिपूर्ण एवं विनम्र, और विरासत व संस्कृति का मूर्त रूप है।

'साड़ी' शब्द की उत्पत्ति दक्षिण-पश्चिमी द्रविड़ शब्द %सायर% से हुई है। साड़ी के अन्य स्वदेशी नामों में केरल में पुडवा, तमिलनाडु में सेलाई, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश में लुगडा, उत्तर प्रदेश में लुगड़ी, उड़ीसा में सारही आदि शामिल हैं। साड़ी एक आयताकार लंबाई वाला कपड़ा होता है, जिसकी लंबाई 4 से 9 गज तक और चौड़ाई लगभग एक गज होती है। अपनी सिलाई रहित गुणवत्ता के कारण साड़ी हिंदू संस्कृति द्वारा निर्धारित शुद्धता के सिद्धांतों के अनुरूप है।

अनेक प्रकार के कपड़ों और टेक्स्चर में फ्लुइड साड़ी उपलब्ध है और इसे भारत के विभिन्न राज्यों से उपजी विभिन्न शैलियों में लपेटा (ड्रेप) जाता है। भारत की साड़ियों को क्षेत्र विशेष की विशिष्ट निर्माण तकनीक के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है। पारंपरिक साड़ियां विविध प्रकार की होती हैं, जिनमें हाथ से बुनी हुई, कशीदाकारी, रेसिस्ट-डाई या प्रिंटेड शामिल हैं। उत्कृष्ट हथकरघा साड़ियों में उत्तर प्रदेश की बनारस ब्रोकेड, पश्चिम बंगाल की जामदानी, तमिलनाडु की कांजीवरम, महाराष्ट्र की पैठाणी, गुजरात की अश्वली, मध्य प्रदेश की चंदेरी और माहेश्वरी आदि शामिल हैं। कशीदाकारी वाली साड़ियों में उत्तर प्रदेश की चिकनकारी, पश्चिम बंगाल की कांथा और कर्नाटक की इलकल कसुती साड़ी शामिल हैं। परिष्कृत रेजिस्ट-डाइड साड़ियों में गुजरात से पटोला जैसे यार्न रेसिस्ट-डाई से लेकर ओडिशा से बंधा, आंध्र प्रदेश से पोचमपल्ली से लेकर राजस्थान और गुजरात से बंधनी जैसी फैब्रिक रेजिस्ट-डाइड की आकर्षक साड़ियां हैं। इस लपेटे या ड्रेप किए जाने वाले परिधान में आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान जैसे क्षेत्रों की विभिन्न प्रकार की ब्लॉक प्रिंटेड साड़ियां की व्यापक रेंज शामिल हैं। इस बात पर गौर करना दिलचस्प होगा कि पूरे भारत में क्षेत्रीय, जातीय और जनजातीय समुदायों से विभिन्न साड़ी शैलियों और उसे लपेटने या ड्रेप करने की विधियों की उत्पत्ति हुई है। आयताकार साड़ी को तीन भागों में विभाजित किया गया है, फील्ड, लंबाई के मुताबिक बॉर्डर और अंतिम सिरा, इसे विभिन्न तरीकों से लपेटे जाने पर यह टू-डायमेंशनल कपड़े को शानदार ढंग से एक व्यवस्थित परिधान में बदल देता है। एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी मानवविज्ञानी, शॉन्तेल बुलॉन्जे ने भारत में प्रचलित 100 से अधिक विभिन्न साड़ी लपेटने (ड्रैपिंग) की शैलियों को सूचीबद्ध किया है।

-प्रो. रूबी कश्यप सूद-

विरह की विभावरी

प्रेमा पटेल
वाराणसी
उत्तरप्रदेश

कुसुम से घर सजा हो रही हूं बावरी।
दिल को दहला रही विरह की विभावरी।
हो रहा है दिल मूक कुछ नहीं बोलता।
अश्रु जल आज तो सब राज खोलता।
यह में सवाल कई कैसे कहे सावरी।
दिल को दहला रही बिरहा की विभावरी।
चंद्र किरणों से सजी आज है रजनी।
फोन पर पिया कहे कैसी हो सजनी।
मन उदास हो रहा हो रही हूं वावरी।
दिल दहला रही विरहा की विभावरी।
कैसे लिखे गीत कोई पास जब मीत नहीं।
विरह में निकलता दिल से संगीत नहीं।
प्रिय के बिना मैं तो हो रही हूं वावरी।
दिल को दहला रही विरह की विभावरी।

बन-ठन कर भोले आए

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर,मध्यप्रदेश

बन-ठन कर आए हैं भोले,
मन-मधुवन में थिरक रहे,
देख रहे नयनों से भोले,
शंख-पुष्प से महक रहे।
बन-ठन कर आए है....
आंखें जब ऊपर को उठती,
धरा डोल-सी जाती है,
पाप-कर्म में जो डूबा है,
धड़कन उसकी रुक जाती है।
बन-ठन कर आए है......
तन-मन झंकृत हो जाता है,
भोले का रूप निखरता है,
जगमग-जगमग आभा ऐसी,
जैसे रवि निकलता है ।
बन-ठन कर आए हैं ....
जैसे-जैसे रात पसरती,
पत्ता-पत्ता सो जाता है,
धड़क-धड़क धड़कन थम जाती,
जन-जन भोले संग सोता है।
बन-ठन कर आए हैं ...
कल-कल कर सागर की लहरें,
अपना राग सुनाती हैं,
भोले धुन में रम जाती हैं,
मन-मंदिर कर जाती हैं।
बन-ठन कर आए हैं ....

पर्यावरण:असरकारी आवाज उठे

विश्व में 'डूमस्डे क्लाक' अपनी तरह की प्रतीकात्मक घड़ी है जिसकी सुइयों की स्थिति के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया जाता है कि विश्व किसी बड़े संकट की संभावना के कितने नजदीक है। इस घड़ी का संचालन 'बुलेटिन ऑफ एटोमिक साइंटिस्ट्स' नामक वैज्ञानिक संस्थान द्वारा किया जाता है। इसके परामर्शदाताओं में 15 नोबल पुरस्कार विजेता भी हैं। ये सब मिलकर प्रति वर्ष तय करते हैं कि इस वर्ष घड़ी की सुइयों को कहां रखा जाए। इस घड़ी में रात के 12 बजे को धरती पर बहुत बड़े संकट का पर्याय माना गया है। घडी की सुइयां रात के 12 बजे के जितने नजदीक रखी जाएंगी, उतनी ही किसी बड़े संकट से धरती (और उसके लोग व जीव) के संकट की स्थिति मानी जाएगी। 2020-21 में इन सुइयों को (रात के) 12 बजने में 100 सेकेंड पर रखा गया। संकट के प्रतीक 12 बजे के समय से इन सुइयों की इतनी नजदीकी कभी नहीं रही। दूसरे शब्दों में, यह घड़ी दर्शा रही है कि इस समय धरती किसी बहुत बड़े संकट के सबसे अधिक नजदीक है। इस समय यह चर्चा है कि निकट भविष्य में डूमस्डे से दूरी को और कम किया जाएगा क्योंकि 2022 में पर्यावरण व युद्ध के खतरे बढ़ गए हैं। 'डूमस्डे घड़ी' के वार्षिक प्रतिवेदन में इस स्थिति के तीन कारण बताए गए हैं।

पहली वजह यह है कि जलवायु बदलाव के लिए जिम्मेदार जिन ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में 2013-17 के दौरान ठहराव आ गया था उनमें 2018 में फिर वृद्धि दर्ज की गई। जलवायु बदलाव नियंत्रित करने की संभावनाएं समग्र रूप से धूमिल हुई हैं। दूसरी वजह यह है कि परमाणु हथियार नियंत्रित करने के समझौते कमजोर हुए हैं। आईएनएफ समझौते का नवीनीकरण नहीं हो सका। तीसरी वजह यह है कि सूचना तकनीक का बहुत दुरुपयोग हो रहा है जिसका सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इन तीन कारणों के मिले जुले असर से आज विश्व बहुत बड़े संकट की संभावना के अत्यधिक नजदीक आ गया है, और इस संकट को कम करने के लिए जरूरी कदम तुरंत उठाना जरूरी है। क्या 'डूमस्डे घड़ी' के इस अति महत्त्वपूर्ण संदेश को विश्व नेतृत्व समय रहते समझेगा? हाल के वर्षों में यह निरंतर स्पष्ट होता रहा है कि अब तो धरती की जीवनदायिनी क्षमता ही खतरे में है। जिन कारणों से हजारों वर्षों तक धरती पर बहुत विविधतापूर्ण जीवन पनप सका, वे आधार ही बुरी तरह संकटग्रस्त हो चुके हैं। धरती की जीवनदायिनी क्षमता के संकटग्रस्त होने के अनेक कारण हैं-जलवायु बदलाव व अनेक अन्य गंभीर पर्यावरणीय समस्याएं, परमाणु हथियार व अन्य महाविनाशक हथियार आदि। इस बारे में तो निश्चित जानकारी मिल रही है कि धरती पर जीवन संकट में है, पर इसे दूर करने के लिए समय पर असरदार कदम कैसे उठाए जाएंगे इस बारे में अभी बहुत अनिश्चित स्थिति है। जो प्रयास हो रहे हैं, वे बहुत अपर्याप्त हैं। उससे कहीं अधिक बड़े प्रयास और बड़े बदलाव चाहिए।

यह प्रयास अमन-शांति, पर्यावरण और जीवन के सभी रूपों की रक्षा, लोकतंत्र, समता और न्याय की परिधि में होने जरूरी हैं। इस सभी मुद्दों पर विश्व के विभिन्न देशों में विभिन्न जन-आंदोलन और जन-अभियान पहले से चल रहे हैं। इनके विभिन्न आयाम हैं। उदाहरण के लिए यदि केवल अमन-शांति के आंदोलनों और हिंसा-विरोधी आंदोलनों और अभियानों की बात करें तो किसी भी देश में इनके विभिन्न आयाम हो सकते हैं। बारुदी सुरंगों या अन्य विशिष्ट छोटे हथियारों के विरुद्ध एक अभियान हो सकता है, तो परमाणु हथियारों जैसे महाविनाशक हथियारों के विरुद्ध एक अलग अभियान। पड़ोसी देशों से संबंध सुधारने के कई अभियान हो सकते हैं। महिला हिंसा, बाल-हिंसा और घरेलू हिंसा के विरुद्ध कई आंदोलन हो सकते हैं। शिक्षा संस्थानों व कार्यस्थलों पर होने वाली हिंसा के विरुद्ध अभियान हो सकते हैं। एक बड़ी चुनौती यह है कि अमन-शांति के इन सभी जन-अभियानों और आंदोलनों में आपसी एकता बना कर उन्हें बड़ी ताकत बनाया जाए जिसका असर अधिक व्यापक व मजबूत हो। ये सभी शाखाएं एक-दूसरे की पूरक हों, इनकी अमन-शांति के मुद्दों पर व्यापक व समग्र सोच हो, वे अहिंसा की सोच में गहराई तक पहुंच सकें। जब अमन-शांति की ये सभी धाराएं परमाणु हथियारों को समाप्त करने के बारे में आम सहमति बनाएं तो इस मांग को बहुत बल मिलेगा।

-भारत डोगरा-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

C M Y K

जिला पुलिस द्वारा किया गया वॉक-ए-काज का आयोजन

कैबिनेट मंत्री,आईजी,कलेक्टर,एसपी भी हुये शामिल

» जुम्बा डांस व मैराथन दौड़ से दिया लैंगिक समानता एवं सुरक्षित यातायात का संदेश

» त्रिनेत्र हेल्पलाइन नंबर, सरगुजा पुलिस सांग व वीडियो किया गया लांच

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

हमर बेटी, हमर मान के अंतर्गत लैंगिक समानता, सुरक्षित यातायात, महिला सशक्तिकरण, स्वस्थ शरीर के लिए जागरूकता हेतु जिला पुलिस एवं मेवरिक फाउंडेशन द्वारा रविवार को गांधी स्टेडियम अम्बिकापुर में वॉकथान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, लुण्ड्रा विधायक डॉ. प्रीतम राम, पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी बच्चे व युवा शामिल हुए। स्वस्थ शरीर का संदेश देने के लिए लोकप्रिय गीतों की धुन में जुम्बा डान्स किया गया तथा युवाओं के लिए मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरगुजा पुलिस का त्रिनेत्र हेल्पलाईन नंबर 9627344000, सरगुजा के युवा संगीतकार सौरव व वैभव द्वारा कंपोज किए गए ट्रैफिक अवेयरनेस सांग एंड वीडियो लांच किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हए स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण व यातायात सुरक्षा तीनों ही गंभीर व संवेदनशील विषय है जिस पर लोगों को जागरूक करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें महिला हिंसा के प्रति समाज में जीरो टॉलरेंस हो। महिलाएं पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहीं हैं उन्हें हमे बराबरी का दर्जा देने के लिए सोच में परिवर्तन करना होगा। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि जीवन में सफलता के साथ आगे बढ़ने के लिए उत्साह और उमंग का होना जरूरी है और इसके लिए गीत, संगीत, नृत्य व्यायाम आवश्यक है। स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन होता है। निरोगी शरीर के लिए दिनचर्या में योग, व्यायाम, को शामिल करना होगा। कार्यक्रम में अपेक्स बैक के अध्यक्ष अजय बंसल, छतीसगढ़ तेल घानी बोर्ड के सदस्य लक्ष्मी गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, महापौर डॉ. अजय तिर्की, जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, पार्षद आलोक दुबे, सतीश बारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में बच्चे व युवा उपस्थित थे।

अभिव्यक्ति एप्प के बारेर में दी गई जानकारी

पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार हमर बेटी हमर मान में तीन मुख्य घटक है जिसमें पराक्रम, प्रशिक्षण और परामर्श शामिल हैं। इन तीनों के समन्वय से लैंगिक समानता, महिला उत्पीडन् एवं अन्य सामाजिक बुराइयों को दूर कर सकते हैं। महिलाओं के सम्मान तथा उन्हें आगे बढ़ाने की सोच रखना होगा। त्रिनेत्र से कर सकेंगे नियम तोडने् वालों की शिकायत- बताया गया कि सरगुज़ा पुलिस द्वारा त्रिनेत्र के नाम से जारी हेल्पलाइन नंबर से यातायात नियमों का उल्लंघन, पार्किंग, तेज गति व आवाज के साथ वाहन चलाने वालों की शिकायत कोई भी कर सकता है। शिकायतकर्ता की गोपनीयता बरकार रहेगी। इसके साथ ही पुलिस विभाग की अभिव्यक्ति एप्प के बारे में जानकारी देते हुए सभी से मोबाइल में डाउनलोड करने की अपील की गई।

युवाओं ने दौडा मैराथन

करीब 10 किलोमीटर की मैराथन दौड़ में युवाओं ने उत्साह से भाग लिया। मैराथन दौड़ गांधी स्टेडियम से प्रारंभ होकर गांधी चौक, आकाशवाणी चौक, प्रतापुर चौक, लरंगसाय चौक, कोतवाली चौक, महामाया चौक संगम चौक घड़ी चौक होते हुए पुनः गांधी स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। मैराथन में पहले से दसवां स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मैडल व प्रशस्ति पत्र दिया गया। इसके साथ ही जुम्बा डांस के एक्सपर्ट टीम को भी मेडल व प्रशस्ति पत्र दिया गया।

मंत्री अमरजीत पहुंचे सरगुजा प्रेस क्लब,कलेक्टर को फोन लगाकर कहा शीघ्र भूमि को कराए आबंटित

प्रेस क्लब के लिए दो A.C. देने की घोषणा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

रविवार को खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत सरगुजा प्रेस क्लब के कार्यालय पहुंचे,यहां प्रेस क्लब अध्यक्ष त्रिलोक कपूर कुशवाहा सहित अन्य सदस्यों ने मंत्री अमरजीत भगत का स्वागत किया।इस दौरान प्रेस क्लब ने मंत्री अमरजीत भगत को सरगुजा प्रेस क्लब सह पत्रकार गृह निर्माण समिति के लिए आरक्षित भूमि में गड़बड़ी को लेकर उन्हें ज्ञापन सौंपा और वस्तुस्थिति से अवगत कराया। प्रेस क्लब के ज्ञापन और उनकी बातों को सुनकर मंत्री अमरजीत भगत ने तत्काल सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार को फोन लगाया और तत्काल भूमि आवंटन हेतु प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया।कलेक्टर ने मंत्री के आदेश के बाद कार्रवाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इधर मंत्री अमरजीत भगत ने सरगुजा प्रेस क्लब के लिए 2 नग एसी एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री देने की घोषणा की है।

मंत्री अमरजीत भगत को सौंपे ज्ञापन में सरगुजा प्रेस क्लब ने आरोप लगाते हुए बताया कि पत्रकारों के आवास के लिए आरक्षित भूमि को भू-माफिया की मिलीभगत से नजूल अधिकारी द्वारा रकबे में कटौती की गई है।क्लब ने मामले की जांच एवं तत्कालीन नजूल अधिकारी को तत्काल हटाए जाने की मांग की है।

ज्ञापन के माध्यम से प्रेस क्लब ने आरोप लगाते हुए बताया कि पत्रकार गृह निर्माण समिति मर्यादित अंबिकापुर,सरगुजा कलेक्टर द्वारा फुंदुरडिहारी (गोधनपुर) में स्थित शासकीय नजूल भूमि 3.60 एकड़ को पत्रकार गृह निर्माण समिति मर्यादित के लिए आरक्षित करते हुए भूमि आबंटन की प्रक्रिया शुरू की गई थी। उक्त भूमि को आवेदक संस्था को आबंटित करने के लिए प्रकरण नजूल अधिकारी, अंबिकापुर के न्यायालय में चला। फुंदुरडिहारी (गोधनपुर) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा स्थित शासकीय नजूल भूमि प्लाट नंबर 428 रकबा 3.60 एकड़ को संस्था पत्रकार गृह निर्माण समिति मर्यादित अंबिकापुर, जिला-सरगुजा को आवासीय प्रयोजन हेतु आबंटित किए जाने हेतु नजूल अधिकारी अंबिकापुर द्वारा दावा/आपत्ति हेतु लिखित दावा/आपत्ति तक नजूल अधिकारी अंबिकापुर, जिला-सरगुजा द्वारा आमंत्रित की गई थी। इस दौरान कोई भी दावा आपत्ति प्राप्त नहीं हुई।

निर्धारित तिथि पूरी होने के बाद किसी व्यक्ति के नाम से भूमि-आबंटन को लेकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत किया गया, जिसे अवैधानिक तरीके से नजूल अधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया एवं दावा-आपत्ति कर्ता के पक्ष में उक्त भूखंड में से रकबा 1.56 एकड़ भूमि आरक्षित करने का षड्यंत्र किया गया है।नजूल अधिकारी द्वारा अवैधानिक तरीके से भूमि को रकबा कम करने में भू-माफियाओं की मिली भगत होने का अंदेशा है। उक्त भूमि पर पूर्व में भू-माफियाओं द्वारा कब्जा करने की कोशिश भी की जा चुकी है। इसमें नूजल अधिकारी की भूमिका संदिग्ध है।

प्रेस क्लब ने उक्त भूमि का रकबा कम किए जाने की जांच करते हुए तत्कालीन नजूल अधिकारी का स्थानांतरण सरगुजा संभाग से बाहर करते हुए आरक्षित संपूर्ण भूमि पत्रकार गृह निर्माण समिति मर्यादित,अंबिकापुर, जिला-सरगुजा को आबंटित कराने की मांग मंत्री से की है।सरगुजा प्रेस क्लब के अध्यक्ष त्रिलोक कपूर कुशवाहा ने कहा कि यथाशीघ्र अगर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है तो सरगुजा प्रेस क्लब/पत्रकार गृह निर्माण समिति मर्यादित,अंबिकापुर के सदस्यों द्वारा जिला प्रशासन सरगुजा के विरूद्ध धरना प्रदर्शन करेगी।

कीटनाशक सेवन से गंभीर महिला की मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अज्ञात कारण से एक महिला कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रूगल पैकरा पति जलेश्वर पैकरा उम्र 28 वर्ष ग्राम केरवटी थाना भैयाथान की रहने वाली थी। वह अज्ञात कारण से 17 दिसंबर को जहर सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान शनिवार की रात उसकी मौत हो गई।

आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदी की मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

हत्या के मामले में केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक बंदी की तबियत विडने् पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार फुलसाय बैगा पिता दिनदयाल बैगा उम्र 42 वर्ष कोरिया जिले के जनकपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। हत्या के मामले में उसे 25 जून 2019 को बैकुंठपुर न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। तब से उसे केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में रखा गया था। 16 दिसंबर की रात को उसकी तबियत विगड़ गई। जेल प्रशासन के निर्देश पर उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान शनिवार की रात उसकी मौत हो गई।

ऑटो के नीचे दबने से घायल चालक की मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

ऑटो पलटने से चालक ऑटो के नीचे दब गया और गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अनुराग टोप्पो उम्र 23 वर्ष जशपुर जिले के कांसाबेल का रहने वाला था। वह अंबिकापुर नमनाकला में रहकर ऑटो चलाने का काम करता था। शनिवार की शाम अपने दोस्त अजीत व डेविड मिंज के साथ ऑटो से लखनपुर बर्थडे पार्टी में शामिल होने जा रहा था। लखनपुर से पूर्व ऑटो अनियंत्रित हो गई और पलट गई। इस दौरान ऑटो चला रहे अनुराग ऑटो के नीचे दब गया। वहीं अजीत व डेविड को मामूली चोट आई थी। इन दोनों ने ऑटो में फंसे अनुराग को बाहर निकाला और उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

राजीव युवा मितान क्लब का जिला स्तरीय सृजन शिविर सम्पन्न

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुरानी परम्परा ,संस्कृति और पारंपरिक खेलों से युवाओं को जोडने् की दिशा में राजीव युवा मितान क्लब एक अनूठी योजना है। उक्त बातें रविवार को राजीव युवा मितान क्लब को जिला स्तरीय सृजन शिविर को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कही।

उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव के बीच सामाजिक सरोकार कम हुआ है। खेल, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों से लोगों में जुड़ाव बढ़ेगा। नई पीढ़ी अपने गौरवशाली परम्परा और संस्कृति से अवगत होगी। रचनात्मक समाज की स्थापना में युवा देव दूत के रूप में काम कर रहे हैं। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि सरकार युवा जोश और असम्भव को सम्भव करने का माद्दा रखता है। उन्होंने राजीव युवा मितान क्लब को हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। लुंड्रा विधायक डॉ. प्रीतम राम ने युवा मितानों को शुभकामनाएं दी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव क्लब के पदाधिकारियों से विगत 6 महीने में उनके अनुभव सुने। शंका का समाधान भी किया। कलेक्टर कुंदन कुमार ने राजीव मितान क्लब की परिकल्पना, कार्यों, अधिकार और उनके दायित्वों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। कर्यक्रम का संचालन राजीव युवा मितान क्लब के जिला समन्वयक शैलेन्द्र प्रताप सिंह,विधानसभा समन्वयक नीतीश चौरसिया, निक्की खान ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, प्रदेश महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा,जिपं सदस्य राधा रवि, सरला सिंह, अनिमा केरकेट्टा, हेमन्त सिन्हा, विनय शर्मा बंटी,तिलक बेहरा,युंका जिलाध्यक्ष विकल झा,सत्येंद्र तिवारी, नुरुल अमीन सिद्की,वीरेंद्र सिंह,आलोक सिंह,, रजनीश सिंह,अमित तिवारी,आतिश शुक्ला , आतिफ रजा, जीशान अली,गुरप्रीत सिद्धू,,उत्तम राजवाड़े,स्वर्णिम शुक्ला,अविनाश कुमार,अंकुर जयसवाल,कमल कांत सेन ,शिवांशु गुप्ता,शुभम जायसवाल,पंकज शुक्ला,राहुल सोनी,केदार यादव,आकाश यादव, अभिषेक सोनी,संजर ,हिमांशु अग्रवाल आकाश अग्रहरी, सोहेल अली,अभिषेक गुप्ता सहित युवा मितान क्लब के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

ठिठुरा सरगुजा, मैनपाट में जमने लगी ओस की बूंदें

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

चक्रवाती तूफान के प्रभाव के कारण आसमान में बादल छाए रहने से न्यूनतम तापमान बढ़कर 15 डिग्री तक पहुंच चुका था। पर चक्रवाती तूफान निष्प्रभावी होने के साथ अब एक बार फिर से उत्तर, पश्चिम-उत्तर की हवाओं से तापमान में गिरावट आने लगी है। इस समय पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड सहित उत्तरी राजस्थान में शीत लहरें चल रही है। इन क्षेत्रों से आने वाली शुष्क ठंडी हवाओं का प्रभाव के कारण सरगुजा संभाग में भी असर दिखना शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ के शिमला कहे जाने वाले मैनपाट के अलावा सामरीपाठ में अन्य जगहों की उपेक्षा यहां ज्यादा ठंड पड़ती है। जहां मैनपाट का तापमान 6 डिग्री से नीचे पहुंच चुका है। वहीं रविवार की सुबह चारो तरफ कोहरे छाए रहे। मैदानी इलाकों में जगह-जगह ओस की बूंदे जमने से बर्फ के सामान सफेद चादर बिछी नजर आई। घांस, पुआल व छोटे पौधें की पतियों पर ओस की बूंदे जमी हुई थी।

वनरक्षक को गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने वाले 2 आरोपियों को थाना प्रतापपपुर ने किया गिरफ्तार

» वनरक्षक को गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने वाले 2 आरोपियों को थाना प्रतापपपुर ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बीते दिन प्रतापपुर टुकूडांड बीट के वनरक्षक अनिल पैंकरा ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 2 सप्ताह पूर्व कनकनगर जंगल में गुलाम सिंह के द्वारा जंगल का 10 डिसमिल जमीन को अतिक्रमण कर खनिहाल बनाया था जिसे हटाने के लिए बोला गया था। दिनांक 17.12.22 को अपने साथी वनरक्षक नरेन्द्र राजवाड़े के साथ मोटर सायकल से शासकीय कार्य के लिए आवर्ती चराई केन्द्र (गौठान) जा रहे थे, ग्राम कनकनगर में गुलाम सिंह के घर पास पहुंचे तभी गुलाम सिंह व छत्रू के द्वारा मोटर सायकल को रूकवाकर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने के लिए दौड़ाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 294, 506, 186, 353, 34 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश थाना प्रभारी को दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रतापपुर की पुलिस के द्वारा मामले के आरोपी गुलाम सिंह पिता सोमार साय उम्र 23 वर्ष व छत्रू पिता सोमार साय उम्र 19 वर्ष को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एएसआई अशोक तिर्की, प्रधान आरक्षक भगवत दयाल पैंकरा, घुनेश्वर केरकेट्टा, आरक्षक इन्द्रजीत सिंह, मनोज राय, अरविंद पाण्डेय, प्रवीण सिंह व दिलबर साडिल्य सक्रिय रहे।

रॉल प्लाजा रेस्टोरेंट में लगी आग,संचालक की सूझबूझ से पाया गया काबू

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शहर के चोपड़ापारा स्थित होटल कृषदक्ष में संचालित रॉल प्लाजा रेस्टोरेंट में रविवार की सुबह आग लग गई। इस दौरान रेस्टोरेंट में कोई ग्राहक नहीं थे। संचालक व स्टाफ ही थे। संचालक की सुझबुझ से आग पर तत्काल काबू पा लिया गया। वह फायर सेफ्टी गैस सिलेंडर को फोड़कर आग बुझाया। वहीं सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और आग को पूरी तरह से बुझाने का काम किया।

जानकारी के अनुसार शहर के भगवानपुर निवासी अनूप अग्रवाल चोपड़ापारा स्थित कृष दक्ष होटल में रॉल प्लाजा रेस्टोरेंट चलाता है। रविवार की सुबह वह स्टाफ के साथ रेस्टोरेंट पहुंचा और साफ सफाई कराने के बाद कीचन में गैस चुल्हा जला ही रता था कि अचानक चिमनी में आग पकड़ ली। इस दौरान रेस्टोरेंट में कोई ग्राहक नहीं थे। इस लिए अफरातफरी की स्थिति निर्मित नहीं हुई और रेस्टारेंट संचालक अनूप अग्रवाल ने अपनी सुझबुझ से कीचन में लगे 3 फायर सेफ्टी गैस सिलेंडर को फोड़ कर आग को फैलने से रोक दिया। वहीं सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंचे और आग को पूरी तरह बुझाया। रेस्टोरेंट संचालक के अनुसार आगजनी में कोई विशेष नुकसान नहीं हुआ है।

रूस ने तैनात की दुनिया की सबसे खतरनाक मिसाइल, दुनिया के किसी भी कोने में भेद देगी अपना लक्ष्य

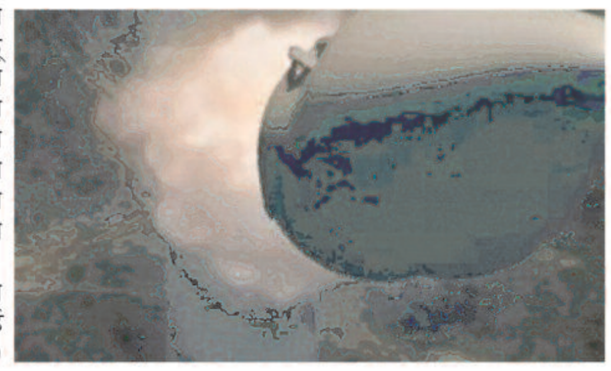

मॉस्को , 18 दिसम्बर 2022। रूस ने यूक्रेन पर मिसाइल से आक्रमण करके उसको पूरी तरह से तबाह कर दिया, शायद ही कोई यूक्रेन में बड़ी इमारत हो जो रूस की मिसाइल का शिकार न हुई हो। वहीं अब रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि रूस ने अंतरमहाद्वीपीय हाइपरसोनिक एवनगार्ड मिसाइल सिस्टम को ऑरेनबर्ग क्षेत्र में तैनात कर दिया है, इस मिसाइल को लेकर रूस का दावा है कि यह दुनिया के किसी भी कोने में अपना टार्गेट मात्र 30 मिनट में भेद सकती है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन के साथ मिसाइल प्रणाली रूसी सामरिक मिसाइल बल की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाएगी। रूसी ने दावा किया कि, एवनगार्ड हाइपरसोनिक मिसाइल आवाज की गति से 27 गुना ज्यादा की हाइपरसोनिक गति से उड़ान भरने में सक्षम है। यह दिशा और ऊंचाई में मार कर सकती है और किसी भी मिसाइल रक्षा प्रणाली को पीछे छोड़ सकती है।

इस हाइपरसोनिक मिसाइल की 33076 किलोमीटर प्रतिघंटा है। एवनगार्ड मिसाइल का वजन करीब 2000 किलोग्राम है। वहीं एवनगार्ड मिसाइल करीब 10 किलोमीटर की दूरी एक सेकेंड में पार कर सकती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 20 डिग्री सेल्सियस तापमान और हवा में नमी नहीं है तो यह और बेहतर मार कर सकती है।

इससे पहले अप्रैल में, रूसी सामरिक मिसाइल बलों के कमांडर सर्गेई काराकेव ने कहा था कि नवीनतम रूसी सरमत अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) को कई एवनगार्ड हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहनों के साथ तैनात किया जा सकता है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि उसने साइलो लॉन्चर से सरमत मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। साथ ही मंत्रालय ने कहा था कि इसकी उड़ान के सभी चरणों में डिजाइन विशेषताओं की पुष्टि की गई थी।

सर्गेई काराकेव ने कहा कि एवनगार्ड के विकास से हाइपरसोनिक हथियारों में बेहतरी आई है। वहीं रूस को छोड़कर दुनिया के किसी अन्य देश के पास आज युद्ध ड्यूटी पर इस तरह का हथियार नहीं है। वहीं यूक्रेन पर रूस ने हाइपरसोनिक मिसाइल दागी थी। रूस ने यूक्रेन पर अपनी दूसरी हाइपरसोनिक मिसाइल किंझालसे इस साल मार्च में हमला किया था।

काला सागर विद्युत केबल पर चार देशों के बीच समझौता

बुखारेस्ट, 18 दिसम्बर 2022। रोमानिया, हंगरी, अजरबैजान और जॉर्जिया ने शनिवार को कैस्पियन क्षेत्र से रोमानिया तक बिजली के परिवहन के लिए काला सागर पनडुब्बी केबल पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह में अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा- अजरबैजान को अपने विशाल संसाधनों के लिए आउटलेट की जरूरत है। आज हम अजरबैजान से यूरोप तक एक नया %पुल' बनाने जा रहे हैं। हमारा देश यूरोप, विशेष रूप से हरित ऊर्जा के लिए बिजली का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बन जाएगा। चतुर्भुज अंतरसरकारी समझौता परियोजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय और तकनीकी ढांचा प्रदान करेगा जिसके अनुसार अजरबैजान जॉर्जिया को बिजली लाइनों के माध्यम से अपनी हरित बिजली की आपूर्ति करेगा, और फिर योजनाबद्ध पनडुब्बी केबल द्वारा रोमानिया और वहां से हंगरी और बाकी यूरोप तक, यूरोपीय परिवहन प्रणाली के माध्यम से आपूर्ति करेगा। जॉर्जिया और रोमानिया के बीच 500 केवी पनडुब्बी केबल 1,100 किमी लंबी होगी और इसकी क्षमता 1 जीडब्ल्यू होगी। जॉर्जियाई ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर जीएसई ने कहा कि परियोजना में एक दूरसंचार केबल भी शामिल है।

पाकिस्तान की उम्मीद डूबी,और मुश्किल हुआ डिफॉल्टर होने से बचना

इस्लामाबाद , 18 दिसम्बर 2022। पाकिस्तान के आर्थिक संकट से उबरने की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान सरकार ने यह स्वीकार किया है कि 'कई मुद्दों' पर उसका अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ मतभेद खड़ा हो गया है। इससे पाकिस्तान के आर्थिक प्रदर्शन की नौवीं समीक्षा में देर हो रही है। इस समीक्षा में खरा उतरने से पहले पाकिस्तान को आईएमएफ से कर्ज मिलना संभव नहीं है। जबकि जल्द कर्ज नहीं मिला, तो पाकिस्तान के डिफॉल्ट करने (कर्ज चुकाने में अक्षम होने) के और करीब पहुंच जाएगा।

हालांकि पाकिस्तान सरकार ने इसे सार्वजनिक रूप से नहीं कहा है, लेकिन समझा जाता है कि मतभेद के जिन 'कई मुद्दों' का जिक्र उसने किया है, उनमें एक रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदने की पाकिस्तान की कोशिश भी है। आईएमएफ में अमेरिका की इच्छा सर्वोपरि मानी जाती है। पाकिस्तान के रूस का ग्राहक बनने से दुनिया में रूस को अलग-थलग करने की अमेरिकी कोशिश को झटका लगेगा। विश्लेषकों के मुताबिक इसीलिए रूस से तेल सौदा करने का फैसला पाकिस्तान के अंदर भी विवादों से घिर गया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने गुरुवार को अमेरिका में कहा था कि उनका देश रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदने की कोशिश नहीं कर रहा है। एक दिन बाद पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक ने उनके इस बयान का सार्वजनिक रूप से खंडन कर दिया। मलिक ने शुक्रवार को यहां कहा कि रूस 'रियायती दर पर' पाकिस्तान को तेल देगा। मलिक ने मास्को यात्रा से लौटने के बाद पिछले हफ्ते रूस के साथ बनी सहमति का सार्वजनिक एलान किया था। इसीलिए भुट्टो जरदारी के वॉशिंगटन में दिए बयान पर यहां हैरत जताई गई। अब मलिक ने विदेश मंत्री के बयान का खंडन कर दिया है।

दो मंत्रियों के बीच इस परस्पर विरोधी बयानबाजी से शहबाज शरीफ सरकार के लिए असहज स्थिति बनी है। समझा जाता है कि इससे पाकिस्तान के लिए आईएमएफ को कर्ज की किस्तें जारी करने पर राजी करना और कठिन हो गया है। शुक्रवार को पाकिस्तान की वित्त राज्य मंत्री आयशा ग़ौस पाशा ने नेशनल असेंबली की एक स्थायी समिति के सामने 'कई मुद्दों' पर आईएमएफ के साथ मतभेद उभरने की बात कही। हालांकि उन्होंने दावा किया कि आईएमएफ ने ऋण प्रोग्राम को स्थगित नहीं किया है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए छह बिलियन डॉलर का नया कर्ज मंजूर किया है। लेकिन उनसे कई शर्तें लगाई हैं, जिन्हें पूरा करने के बाद ही कर्ज की किस्तें जारी होंगी। पहली किस्त के तहत नौवीं समीक्षा के बाद 1.8 बिलियन डॉलर की रकम जारी करने पर सहमति हुई थी। लेकिन ये समीक्षा बैठक लगातार टल रही है।

श्रीलंका में सेना से लेकर पशुओं तक पर पड़ रही है आर्थिक संकट की गहरी मार!

कोलंबो , 18 दिसम्बर 2022। श्रीलंका सरकार ने खर्च में कटौती के अभियान के तहत सेना में 16 हजार से ज्यादा पद खत्म करने का फैसला किया है। श्रीलंका सरकार पर खर्च घटाने की शर्त अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने लगाई है। इसके लिए हर तरफ नजर दौड़ाने के बाद आखिरकार रानिल विक्रमसिंघे सरकार ने देश की पुख्ता सुरक्षा की चिंता छोड़ते हुए सेना पर गाज गिराई है। विक्रमसिंघे ने पिछले महीने प्रस्ताव रखा था कि सैनिकों को स्वैच्छिक रिटायरमेंट दिलाने की कोशिश की जाए, ताकि रक्षा खर्च घटाया जा सके। अब इस योजना पर अमल शुरू कर दिया गया है।

सैनिकों को स्वैच्छिक रिटायरमेंट दिलाने दिलाने के लिए सेना ने अपने नियम में बदलाव किया है। श्रीलंकाई सेना में नौकरी काल में सेवा मुक्त होना गैर-कानूनी है। इसीलिए अब ऐसी अनुपस्थिति को कानूनी मान्यता देने के लिए आम माफी घोषित की गई है। इसके तहत नौकरी से अलग होना चाहने वाले कर्मियों को गैर-हाजिर मान कर उन्हें माफी देते हुए सेवा मुक्त कर दिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने सेना से गैर-हाजिर रहने वाले कर्मियों के लिए आम माफी का एलान किया है। इसके तहत इस वर्ष 15 नवंबर से 31 दिसंबर तक किसी वजह से गैर हाजिर रहे सैनिकों को सेवा मुक्त कर दिया जाएगा। जो सैन्य कर्मी अभी विदेशों में हैं, उन्हें भी यह सुविधा दी गई है। इसके तहत अपनी ड्यूटी को ज्वाइन किए बिना वे आम माफी योजना का लाभ उठाते हुए नौकरी छोड़ सकेंगे।

थाईलैंड के राजा-रानी को हुआ कोरोना

बैंकॉक ,18 दिसंबर 2022। थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न फ्रा वजिराक्लाओचाओयुहुआ और रानी सुथिदा बज्रासुधाबिमललक्षणा बीती शाम को कोरोना संक्रमित पाए गए। राजा और रानी में संक्रमण से हल्के लक्षण पाए गए हैं तथा दोनों का स्वास्थ्य अभी ठीक है। डॉक्टरों ने उन्हें कुछ समय के लिए शाही कार्यों से दूर रहने की सलाह दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार थाईलैंड में 04-10 दिसंबर के दौरान कोरोना से संक्रमित 3,961 नए मरीज अस्पताल में भर्ती हुए हैं।

ईरान और सऊदी अरब दोनों को एक साथ कैसे साध पाएगा चीन?

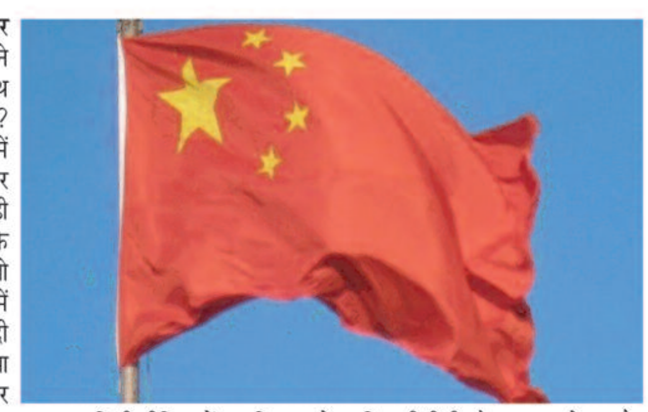

वॉशिंगटन , 18 दिसम्बर 2022। क्या सऊदी अरब से बने गहरे रिश्ते का असर ईरान के साथ चीन के रिश्तों पर भी पड़ेगा? पश्चिमी विश्लेषक इस बारे में कयास लगा रहे हैं। बीते नौ दिसंबर को सऊदी अरब और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के अन्य देशों के साथ चीन ने जो साझा बयान जारी किया, उसमें ईरान को क्षेत्रीय आतंकवादी संगठनों का समर्थक देश बताया गया। साथ ही उसमें सभी भागीदार देशों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अस्थिरता फैलाने वाली उसकी गतिविधियों का हल ढूंढने की अपील की गई।

जीसीसी-चीन और अरब-चीन शिखर सम्मेलनों का आयोजन सऊदी अरब की राजधानी रियाद में हुआ। इन दोनों शिखर सम्मेलनों के बाद जारी साझा बयानों में ताइवान को चीन का अभिन्न अंग बताया गया। साथ ही हांगकांग मुद्दे पर भी चीन के रुख का समर्थन किया गया। समझा जाता है कि इसके बदले चीन ने उन तीन द्वीपों पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दावे का समर्थन किया, जिन पर ईरान का कब्जा है।

बाद में ईरान के विदेश मंत्रालय ने इन बयानों पर नाखुशी जताई। खास कर उसने तीन द्वीपों के मुद्दे पर अपनी नाराजगी जताई। उसके बाद तेहरान स्थित चीनी राजदूत ने एक बयान में कहा कि चीन ईरान की प्रादेशिक अखंडता का समर्थन करता है। राजदूत ने कहा- 'चीन के राष्ट्रपति की रियाद यात्रा का मकसद इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने में मददगार बनना था।'

पश्चिमी मीडिया में इस विवाद को खूब तव्वजो दी गई है। लेकिन कुछ विश्लेषकों का कहना है कि पश्चिम ने इससे जो उम्मीदें जोड़ी हैं, वे निराधार हैं। वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम के विश्लेषक ताला तस्लीमी ने एक टिप्पणी में लिखा है कि चीन की नीति में वैसा कोई बदलाव नहीं आया है, जैसा पश्चिमी मीडिया में अनुमान लगाया गया है।

उधर वेबसाइट एशिया टाइम्स की एक टिप्पणी में कहा गया है कि जीसीसी-चीन के साझा बयान का यह मतलब नहीं है कि पश्चिम एशिया में अब एक महाशक्ति के रूप में चीन का आगमन हो गया है। लेकिन इससे यह संकेत जरूर मिला है कि जब तक इस क्षेत्र में रणनीतिक प्रभाव कायम नहीं होता, चीन एक वैश्विक महाशक्ति की हैसियत में नहीं आ सकेगा। इसीलिए यह सवाल अहम है कि क्या चीन सऊदी अरब सहित जीसीसी देशों और ईरान के बीच संतुलित रिश्ता बना पाएगा।

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। मंत्रालय ने इसी हफ्ते कहा कि जीसीसी के सदस्य देश और ईरान सभी चीन के मित्र हैं। ना तो चीन-जीसीसी का रिश्ता और ना ही चीन-ईरान का रिश्ता किसी तीसरे देश के खिलाफ है। चीन ईरान के साथ जीसीसी देशों के संबंध में सुधार का समर्थन करता है। दोस्ताना पड़ोसी का व्यवहार करते हुए ये देश संबंध सुधार सकते हैं, जिससे सबको लाभ होगा।

विश्लेषकों के मुताबिक चीन पश्चिम एशिया में उन तमाम देशों से रिश्ते जोड़ रहा है, जिनके आपसी संबंध तनावपूर्ण हैं।

उनमें तुर्किये भी है, जिसका ईरान के साथ छत्तीस का आंकड़ा है। लेकिन हाल में इन दोनों देशों के साथ चीन का कारोबार बढ़ा है। पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि रियाद में चीन ने फिलस्तीन का खुला समर्थन किया, जबकि इजराइल के साथ भी उसके मजबूत कारोबारी रिश्ते बने हुए हैं। ऐसे में इन अनुमानों में ज्यादा दम नहीं है कि रियाद में हुए शिखर सम्मेलनों के बाद ईरान के साथ चीन के रिश्ते बिगड़ जाएंगे।

किरकुक शहर के नजदीक बम धमाके में आठ इराकी पुलिस कर्मियों की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

बगदाद , 18 दिसम्बर 2022। राजधानी बगदाद से करीब 238 किलोमीटर दूर तेल समृद्ध किरकुक शहर में संघीय पुलिस कर्मियों के काफिले पर बम से हमला किया गया। इसमें कम से आठ संघीय पुलिसकर्मियों के मौत की खबर है। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि विस्फोट सफरा गांव के पास हुआ है, जो किरकुक से करीब तीस किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। सूत्र ने बताया कि दो अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इलाके में आईएसआईएस के आतंकी सक्रिय हैं। हालांकि किसी ने भी अब तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। दिसंबर 2017 में आईएसआईएस ने इस इलाके पर जीत की घोषणा की थी। समूह ने कभी देश के इस सबसे बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

भारतीय नर्स और उसकी दो बेटियों की हत्या के मामले में एक संदिग्ध से पूछताछ,कल अदालत में किया जाएगा पेश

लंदन , 18 दिसम्बर 2022। ब्रिटेन की पुलिस ने एक भारतीय नर्स और उसके दो बच्चों की हत्या के सिलसिले में एक संदिग्ध से पूछताछ कर रही है। उस पर हत्या के तीन मामलों का आरोप है। उसे सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

नॉर्थम्पटनशिर पुलिस ने शनिवार रात सजू चेलावलेल (52 वर्षीय) पर अंजू अशोक (35 वर्षीय), जीवा सजू (6 वर्षीय) और जानवी सजू (चार वर्षीय) की हत्या का आरोप लगाया था। सजू चेलावलेल मृतक अंजू के पति भी हैं।

पुलिस ने तीनों की मौत का कारण दम घुटना बताया है। मामले के वरिष्ठ जांच अधिकारी डिटेक्टिव इंस्पेक्टर साइमन बार्न्स ने कहा, हमारी संवेदनाएं अंजू, जीवा और जानवी के परिवार के साथ हैं। हमं उन्हें न्याय दिलाने के लिए दृढ़ हैं।

उन्होंने कहा, इस प्रकार की घटनाएं अविश्वसनीय हैं और परेशान करने वाली हैं। मैं उनका सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने गुरुवार को 999 कॉल का जवाब दिया या बाद की जांच में शामिल रहे।

उन्होंने कहा, मैं स्थानीय समुदाय को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। हम जानते हैं कि इस तरह की घटना कितना परेशान करने वाली है। हम अपनी पुलिसिंग टीम के सदस्यों की क्षेत्र में गश्त जारी रखेंगे।

हत्या के आरोपों के बाद चेलावलेल को नॉर्थम्पटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा सकता है। पुलिस ने कहा, अधिकारियों ने मौके पर अंजू अशोक, जीवा सजू और जानवी सजू को गंभीर चोटों के साथ पाया। पुलिस अधिकारियों और अस्पताल कर्मचारियों के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद तीनों की थोड़ी देर बाद मृत्यु हो गई।

बयान में कहा गया, लीस्टर रॉयल इनफर्मरी में फोरेंसिक पोस्ट मार्टम जांच की गई, जहां निष्कर्ष निकाला गया कि तीनों की मौत दम घुटने के कारण हुई है। मूल रूप से केरल के कोट्टायम जिले की रहने वाली अंजू अशोक पिछले छह साल से स्थानीय अस्पताल में कार्यरत थीं। उसने केटरिंग जनरल अस्पताल में आर्थोपेडिक विभाग में एक नर्स के रूप में काम किया था।

उत्तर कोरिया ने फिर किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण,दक्षिण कोरिया का दावा

सियोल , 18 दिसम्बर 2022। उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया ने यह जानकारी दी है। उत्तर कोरिया का इस साल बैलेस्टिक मिसाइल का यह नौवां परीक्षण है। पिछले महीने, उत्तर कोरिया ने 20 से अधिक कम दूरी की मिसाइलें दागी थीं। इस साल उनसे दर्जनों मिसाइल परीक्षण किए हैं।

दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने कहा कि उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी तट से बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख ने कहा कि मिसाइल का परीक्षण रविवार सुबह किया गया। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी मिसाइल लॉन्च की पुष्टि की है।

जापान ने कहा है कि उत्तर कोरिया की संदिग्ध मिसाइल जापान और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच समुद्र में गिरी। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं दी गई है कि मिसाइल जापानी तट से कितनी दूरी पर थी। जापानी मीडिया ने सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा कि मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरी।

उत्तर कोरिया ने किया था अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

इससे पहले 18 नवंबर को उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) का परीक्षण किया था। अमेरिका और जापान ने इसे क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा बताया है और उत्तर कोरिया के गैर कानूनी शस्त्र विकास कार्यक्रम व बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण को रोकने पर जोर दिया।

भारत-श्रीलंका अलगे महीने शुरू करेंगे इन बंदरगाहों के बीच नौका सेवा,सरकारों में बनी सहमति

कोलंबो , 18 दिसम्बर 2022। भारत-श्रीलंका जाफना जिले के कांकेसंथुराई बंदरगाह और पुडुचेरी के बीच जल्द ही नौका सेवा शुरू करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सेवा अगले महीने शुरू हो जाएगी। श्रीलंका के बंदरगाह, नौवहन और नागरिक उड्डयन मंत्री निमल सिरिपाला डी सिल्वा ने कहा कि अगले साल जनवरी के मध्य में नौका सेवा शुरू की जाएगी। भारत सरकार ने इस सेवा के लिए सहमति दे दी है।

बौद्ध तीर्थयात्रियों को होगी सुविधा

मंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक जाफना प्रायद्वीप में व्यावसायिक गतिविधियों में लगे हुए हैं। इस तरह के जुड़ाव से, नई सेवा से विदेशी राजस्व का एक बड़ा हिस्सा उत्पन्न होने की उम्मीद है। यह भारत आने वाले बौद्ध तीर्थयात्रियों के लिए भी बहुत सुविधाजनक होगी। आगे कहा कि दक्षिण भारत से श्रीलंका के त्रिंकोमाली और कोलंबो तक यात्री परिवहन सेवाएं भी शुरू की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि अब तक थलाइमन्नार और भारत के बीच फेरी सेवा शुरू करने के बारे में कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला है। डी सिल्वा ने कहा कि फेरी सेवा शुरू करने का यह कदम दोनों देशों के लोगों की मांग पर उठाया गया है। मंत्री के अनुसार, फेरी मालिकों के साथ चर्चा के दौरान, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यात्री सेवा प्रदान करने के लिए बंदरगाहों पर मौजूदा सुविधाओं को और उन्नत किया जाना चाहिए।

फेरी मालिकों ने बताया कि कितना लगेगा किराया

फेरी मालिकों के अनुसार, नई सेवा के तहत जहाज एक यात्रा पर 300 से 400 यात्रियों को ले जाएगा, जो गंतव्यों के बीच लगभग साढ़े तीन घंटे का समय लेगा। नौका मालिकों ने सुझाव दिया कि उन्हें एक यात्रा के लिए प्रति यात्री 60 अमेरिकी डॉलर (लगभग एलकेआर 21,000) चार्ज करना होगा और प्रत्येक यात्री 100 किलोग्राम तक सामान ले जा सकता है।

समय के साथ किसानों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना हमारे सरकार की प्राथमिकता:अम्बिका सिंहदेव

बैकुंठपुर जनपद उपाध्यक्ष शिलान्यास कार्यक्रम में रहीं अनुपस्थित,शिलान्यास पट्टिका में भी उपाध्यक्ष का नाम दिखा नदारद

- जिला पंचायत उपाध्यक्ष का नाम शिलान्यास पट्टिका में किया गया था दर्ज,जिला पंचायत उपाध्यक्ष की उपेक्षा इस बार नहीं दिखी
- संसदीय सचिव बैकुंठपुर विधायक ने सहकारी बैंक पटना शाखा भवन का किया शिलान्यास
- पटना पुराने बस स्टैंड भवन को बैंक शाखा के लिए किया गया चयनित,बस स्टैंड वासियों में दिखा उत्साह
- वर्ष 1987 में पटना बस स्टैंड के लिए बना था भवन,अब भवन पड़ा हुआ था खाली
- भेंट मुलाकात कार्यक्रम में कोरिया के ग्राम पटना पहुंचे मुख्यमंत्री से बैंक की हुई थी मांग
- आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पटना अध्यक्ष विजय सिंह ने बैंक की शाखा के लिए विधायक के माध्यम से की थी मांग

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखण्ड के ग्राम पटना में सहकारी बैंक के लिए शिलान्यास किया गया, संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवम बैकुंठपुर विधायक अम्बिका सिंहदेव ने रविवार को शिलान्यास किया और ग्राम पटना में बैंक की नींव रखी गई।

बैकुंठपुर विधायक ने इस दौरान क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों को बेहतर सुविधा मिल सके और यह बैंक उसी का उदाहरण है जो किसानों की मांग पर बैंक पटना में स्थापित हो रहा है। सहकारी बैंक के शिलान्यास कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी, रनई जमीदार योगेश शुक्ला, पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति पटना के अध्यक्ष विजय सिंह, पूर्व अध्यक्ष ईश्वर दयाल सिंह, पटना सरपंच गायत्री सिंह, जनपद पंचायत बैकुंठपुर के सभापति बिहारी लाल राजवाड़े, पूर्व जनपद सदस्य सोनू राज यादव, विधायक प्रतिनिधि अशोक पांडे, जनपद सदस्य संतोष सारथी, सहित कई लोग उपस्थित रहे।

विकास के माध्यम से मैं आप लोगों से जुड़ रही हूँ...

स्थानीय विधायक शिलान्यास के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकास हो रहा है और विकास के माध्यम से मैं भी आप लोगों से जुड़ रही हूं हमारी पहली प्राथमिकता आप लोगों को सुविधा पहुंचाना है हमारी सरकार आप लोगों तक हर व सुविधा पहुंचाना चाह रही है ताकि सुविधाओं के बढ़ने से आपकी परेशानियां कम हो, धान खरीदी के केंद्र बनाए गए और अब आपको अपने पैसे के लिए भटकना ना पड़े इसलिए नजदीकी में ही बैंक शाखा की स्थापना की जा रही है आपकी समस्याओं का समाधान होता है तो कहीं ना कहीं हमारे अंदर भी एक खुशी होती है। हमारी सरकार आम जनता की सरकार है और वह आम जनता की सुविधाओं पर ही काम कर रही है।

अपने ही पैसे के लिए बैंकों में ना लगानी पड़े लाइन

रनई जमीदार योगेश शुक्ला ने कहा कि एक समय था कि बैकुंठपुर में सहकारी बैंक में प्रतिदिन किसानों को अपने पैसे के लिए लाइन लगानी पड़ती थी, वह भी उन्हें पैसा जितना चाहिए होता था उतना ना मिलकर किस्तों में मिला करता था या फिर हर क्षेत्र के लिए अलग-अलग दिन निर्धारित कर दिया गया था, अब किसानों को अपने ही पैसे के लिए उस दिन का इंतजार करना पड़ता था कि किस दिन उनके क्षेत्र की बारी आएगी, ऐसे भीषण समस्या से किसान अपने ही पैसे को पाने के लिए जूझ रहे थे, हमारी सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए, किसानों को सुविधा देते हुए इस बैंक शाखा की सौगात दे रही है ताकि अब किसान को अपने ही पैसे के लिए ना तो दिन का इंतजार करना पड़े और ना ही लंबी लाइन लगाना पड़े।

इस सौगात से हमारे क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है

पटना सरपंच गायत्री सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि काफी हर्ष की बात है कि हमारे क्षेत्र को इतनी बड़ी उपलब्धि मिली है इस उपलब्धि से हमारे क्षेत्र के किसान भाइयों को सुविधा होगी, अपने ही पैसे को प्राप्त करने में जिस सुविधा के लिए वह भटकते रहते थे कहीं ना कहीं यह पटना क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और यह पटना क्षेत्र के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा।

पटना का केंद्रीय सहकारी बैंक कोरिया जिले का सबसे बड़ा बैंक होगा

जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं कि उन्होंने हमारी मांग को गंभीरता से लेते हुए पूरा किया, पटना 84 के लिए यह बहुत ही गौरव की बात है कोरिया जिले का पटना 84 में खुलने वाला केंद्रीय सहकारी बैंक कोरिया जिले का सबसे बड़ा बैंक होगा, 4 समितियों के किसान इस बैंक से जुड़ेंगे, जिसमें सबसे ज्यादा संख्या किसानों की इसी बैंक के अंतर्गत आएगी, इतने बड़े क्षेत्र के किसानों को इस बैंक का लाभ किसी सौगात से कम नहीं।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पटना अध्यक्ष विजय सिंह ने बैंक की मांग की थी

प्रदेश के मुख्यमंत्री के ग्राम पटना भेंट मुलाकात कार्यक्रम में पहुचने के दौरान क्षेत्रीय विधायक के माध्यम से आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पटना अध्यक्ष विजय सिंह ने ग्राम पटना में सहकारी बैंक की मांग प्रमुखता से रखी थी और उन्होने मुख्यमंत्री को विधायक के माध्यम से किसानों को होनी वाली समस्याओं से अवगत कराया था जो किसानों को बैंक के काम से बैकुंठपुर जाने की वजह से होती थी। बैकुंठपुर विधायक ने भी मांग पर गंभीरता दिखाई थी और मुख्यमंत्री से बैंक के लिए उन्होंने सहमति के लिए निवेदन किया था और मुख्यमंत्री ने बैंक की घोषणा की थी।

ग्राम पटना बस स्टैंड निवासियों को बैंक की स्थापना से देखा गया उत्साहित

सहकारी बैंक पटना शाखा के लिए 1987 में बस स्टैंड के लिए बने भवन का चयन किया गया है और इसको लेकर बस स्टैंड के आसपास निवास करने वालों को उत्साहित देखा गया। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पटना अध्यक्ष विजय सिंह ने बस स्टैंड भवन में बैंक स्थापित हो इसको लेकर काफी प्रयास किया ऐसी बात भी सामने आ रही है और बस स्टैंड के आसपास रहने वाले लोगों में इसबात को लेकर उत्साह है कि वीरान हो रहे बस स्टैंड क्षेत्र को फिर से रौनक मिलेगी और आसपास व्यवसाय को बल मिलेगा।

जनपद उपाध्यक्ष शिलान्यास कार्यक्रम से दिखीं अनुपस्थित, शिलान्यास पट्टिका में भी नाम दिखा नदारद

बैकुंठपुर जनपद उपाध्यक्ष जो विधायक की कभी सबसे खास हुआ करती थीं और जो अभी लगातार विधायक से दूरी बना कर चल रहीं हैं इस शिलान्यास कार्यक्रम से भी वह नदारद दिखीं वहीं उनका नाम भी शिलान्यास पट्टिका में नहीं दिखा जबकि उनके क्षेत्र अंतर्गत ही बैंक की स्थापना हो रही है और उनके क्षेत्र के किसान भी बैंक से लाभान्वित होंगे। शिलान्यास पट्टिका में जनपद सदस्य पटना के नाम मात्र जनपद के जनप्रतिनिधियों में से शामिल किया गया क्षेत्र के अन्य जनपद सदस्यों जिनके क्षेत्र के किसान लाभान्वित होंगे उनका भी नाम पट्टिका से नदारद दिखा।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष का नाम शिलान्यास पट्टिका में हुआ दर्ज

शिलान्यास पट्टिका में जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी का नाम दर्ज देखा गया,कई बार जिला स्तर के शिलान्यास एवम उद्घाटन अवसर पर शिलान्यास पट्टिका में नाम नहीं होने पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए विरोध दर्ज किया था और माना जा रहा है कि कई बार के उनके विरोध को ध्यान में रखकर इसबार शिलान्यास में उनके नाम को शामिल रखने पर विचार हुआ और कार्यक्रम में कोई आपत्ती न हो विरोध न हो इसबात का ध्यान रखा गया।

भाजपा नेताओं ने भी शिलान्यास कार्यक्रम में की शिरकत

पटना में सहकारी बैंक की शाखा के भवन शिलान्यास कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने भी शिकरत की। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सहित कई बड़े नेता इस कार्यक्रम में शामिल दिखे पूर्व मंत्री एवम पूर्व बैकुंठपुर विधायक भाजपा की पुत्रवधू भी कार्यक्रम में शामिल हुई और क्षेत्रवासियों को उन्होंने बधाई दी,भाजपा नेताओं में जवाहरलाल गुप्ता, रविशंकर शर्मा, वंदना राजवाड़े, अनिरुद्ध ठाकुर सहित कई अन्य भाजपा नेता कार्यक्रम में मौजूद रहे।

पुलिस आरक्षक ने किया महिलाओं व बुजुरगो को कंबल वितरण

- संवाददाता -
सूरजपुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कुदरगढ़ चौकी में पदस्थ पुलिस आरक्षक राजेश पटेल ने रविवार को कड़कड़ाती ठंड में महिलाओं व बुजुर्ग के बीच पुलिस आरक्षक ने कंबल का वितरण किया इससे दर्जनों गरीब तबके के लोग कंबल पाकर गदगद हो गए। उन लोगों ने पुलिस आरक्षक के इस प्रयास को

सफलीभूत होने का आशीष दिया। पुलिस आरक्षक राजेश पटेल कोरोना काल से लेकर आज तक बंदरों का खानपान का विशेष ख्याल खुद अपने खर्चा से करते थे और कुछ ना कुछ नए कार्य करते रहते हैं इनका प्रतिदिन का ड्यूटी में आते हैं तो कुदरगढ़ धाम का दर्शन करने के बाद नीचे उतरते समय बंदर लोग को दाना दिए बिना वापस नहीं आते प्रतिदिन दाना देते हैं।

कुदरगढ़ी एलनियम प्लांट को लेकर ग्रामीण का विरोध आया सामने

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के ग्राम चिरंगा में खुलने वाले मां कुदरगढ़ी एलनियम प्लांट को लेकर ग्रामीण पुरजोर तरीके से विरोध सामने आ गया है. वहीं ग्रामीण अब आरपार की लड़ाई लड़ने की बात कह रहे हैं साथ ही क्षेत्रीय विधायक व मंत्री को अपनी समस्या बताने के लिए गांव बुलाने की गुहार जिला प्रशासन से लगाई गई है.

ग्राम चिरंगा में 800 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर 1100 करोड़ से अधिक की लागत से खुलने वाले मां कुदरगढ़ी एलमुनियम रिफाइनरी फैक्ट्री को लेकर ग्रामीण लगातार विरोध कर रहे हैं. जिसका विरोध ग्रामीण पिछले 4 सालों से करते आ रहे हैं. बावजूद इसके क्षेत्रीय विधायक सहित जिला प्रशासन के अधिकारी भी इनकी बातों को नहीं सुन रहे हैं. जिसकी वजह से ग्रामीणों को आए दिन धरना प्रदर्शन ,आंदोलन करना पड़ रहा है. वही अब ग्रामीण अपने क्षेत्रीय विधायक व मंत्री अमरजीत भगत को अपने गांव बुलाना चाह रहे हैं. जिससे कि वह अपनी समस्या को बताकर प्लांट नहीं लगने की बात कहेंगे, साथ ही ग्रामीणों ने कहा कि जब तक जान रहेगी तब तक लड़ते रहेंगे.

बीना लकड़ा ग्रामीण मंगली बाई, ग्रामीण, महेश राम लकड़ा, ग्रामीण इधर ग्रामीणों के बीच पहुंचे सीतापुर एसडीएम रवि राही ने कहा कि ग्रामीणों की जो भी समस्या है. उसका निराकरण किया जाएगा. रही बात मंत्री को बुलाने की इस बात की चर्चा उनके साथ मिलकर की जाएगी कि क्षेत्रीय विधायक व मंत्री कब अपना समय इस गांव वालो से मिल पाते हैं.

रवि राही एसडीएम सीतापुर लिहाजा इस गांव के ग्रामीण लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं. लेकिन फैक्ट्री की मनमानी ने इन ग्रामीणों की मुश्किल और बढ़ा दी है, क्योंकि आधा दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीण चाह रहे हैं कि इन क्षेत्रों में प्लांट ना लगे. जिससे कि इस क्षेत्र का वातावरण बेहतर और शुद्ध रहे सके साथ ही इस फैक्ट्री के लग जाने से कई प्रकार की बीमारियों का सामना, सेटलमेंट की जमीन , आदिवासियों की संस्कृति विलुप्त हो जाएगी. अब देखना होगा कि सरकार इन ग्रामीणों के लिए क्या कदम उठाती है।

रेहर भूमिगत खदान से कॉपर केबल तार चोरी मामले में थाना सूरजपुर पुलिस ने 1 और आरोपी को किया गिरफ्तार

सूरजपुर, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बीते 21 अक्टूबर को रेहर भूमिगत खदान के खान अभियंता सुरेश बाबु ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि खदान के 1 नंबर इंकलाईन से फ्लेक्सिबल पीव्हीसी कॉपर केबल 30 मीटर को अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर धारा 457, 380 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की विवेचना करते हुए पुलिस ने पूर्व में ही 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मामले में आरोपी राजा यादव फरार था जिसकी पतासाजी की जा रही थी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी सूरजपुर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर की पुलिस फरार आरोपी की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर की आरोपी राजा यादव उर्फ भाकू पिता पूरनचंद यादव उम्र 27 वर्ष निवासी हल्दीबाड़ी सड़कदफाई, थाना चिरमिरी जिला कोरिया को पकड़ा गया जिसके निशानदेही पर चोरी का 10 मीटर तांबा का तार कीमत 7 हजार रूपये का बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर सहित उनकी टीम सक्रिय रही।

क्या गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के उम्मीदवार बढ़ाएंगे कांग्रेस और भाजपा की परेशानी?

- जिला पंचायत उप चुनाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने उतारा अपना प्रत्याशी
- गोंडवाना गणतंत्र पार्टी उम्मीदवार की ही होगी जीत गोंगपा प्रदेश अध्यक्ष संजय कमरों कर रहे हैं दावा
- गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के मैदान में सामने आते ही कांग्रेस भाजपा की बढ़ी मुश्किलें
- जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 6 में सबसे अधिक मतदाता हैं आदिवासी समुदाय से
- आदिवासी समुदाय का समर्थन गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को मिलना तय, क्या कांग्रेस उम्मीदवार आदिवासी वोट बैंक में लगा पाएंगे सेंध?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने जिला पंचायत कोरिया के सदस्य सीट क्रमांक 6 के लिए होने जा रहे उप चुनाव में अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की तरफ से सुखनंदन मिंज को प्रत्याशी बनाया गया है जो वर्तमान में सरपंच भी हैं। सुखनंदन मिंज लोकप्रिय भी हैं और आदिवासी समुदाय में उनकी पैठ भी है ऐसे में उनके प्रत्याशी बनाये जाने से गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की उप चुनाव में उपस्थिति बड़ी दम खम वाली नजर आ रही है वहीं यदि आदिवासी समुदाय का पूरा समर्थन यदि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जुटा पाई तो ऐसे में उसका चुनाव जीतना भी तय नजर आ रहा है।

बता दें कि जिला पंचायत सदस्य कोरिया क्षेत्र क्रमांक 6 में सबसे ज्यादा मतदाता आदिवासी समुदाय से हैं और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का इस क्षेत्र में काफी दबदबा भी है स्वयं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय कमरों भी इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं और वह दावा भी कर रहें हैं कि इसबार क्षेत्र के मतदाता गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को ही मौका देने जा रहें हैं और सुखनंदन मिंज की जीत तय है। भाजपा ने जहां इस उप चुनाव में पूर्व मंत्री की पुत्रवधू को चुनाव में प्रत्याशी बनाकर उतारा है वहीं यदि कांग्रेस की बात की जाए तो कांग्रेस ने आदिवासी कार्ड खेला जरूर है लेकिन गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशी के मैदान में सामने आ जाने के बाद लगता नहीं है कि कांग्रेस के प्रत्याशी आदिवासी समुदाय का पूरा मत प्राप्त कर सकेंगे और चुनाव उनके लिए आसान होगा।

भाजपा प्रत्याशी के लिए भी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मुसीबत खड़ी कर दी है

भाजपा प्रत्याशी के लिए भी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मुसीबत खड़ी कर दी है क्योंकि भाजपा के पास जहां पूर्व मंत्री की पुत्रवधू के लिए सीट से सहानुभूति जुटा पाना आसान दिख रहा था अब जरा मुश्किल दिखने लगी है क्योंकि क्षेत्र में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का काफी जनाधार है। पिछड़ा वर्ग समुदाय समान्य वर्ग समुदाय जरूर भाजापा की तरफ रुख करता नजर आएगा क्योंकि कांग्रेस ने भी आदिवासी समुदाय से प्रत्याशी मैदान में उतारा है जबकि सीट अनारक्षित थी और पिछड़ा वर्ग से और सामान्य वर्ग से कई अन्य उम्मीदवार कांग्रेस से समर्थन की आस लगाए हुए थे और उन्हें निराशा हांथ लगी है और वह जरूर भाजपा की मदद कर सकते हैं ऐसे में सत्ताधारी दल के लिए इसबार मुश्किल ज्यादा दिख रही है।

क्षेत्र क्रमांक 6 का उपचुनाव काफी रोचक होगा

वैसे क्षेत्र क्रमांक 6 का उपचुनाव काफी रोचक होगा सभी अपना अपना दमखम पूरी ताकत झोंकेंगे यह तय है क्योंकि सामने विधानसभा चुनाव है और ऐसे में कोई भी इस सीट पर अपनी हार देखना नहीं चाहेगा वैसे सत्ताधारी दल के लिए तो यह सबसे बड़ी परीक्षा है और उसे इसे पास करना जरूरी है क्योंकि चार साल की उपलब्धियों को लेकर जहां हर जगह पार्टी कार्यक्रम कर रही है जनता के बीच जार रही है जन घोषणा पत्र के वादों में से 75 प्रतिशत पूर्ण किये जाने का दावा कर रही है और उसे जनता कितना स्वीकार करती है यह इसी चुनाव में तय हो जाएगा।

इस चुनाव के परिणाम से आगे विधानसभा चुनाव का परिणाम जुड़ा हुआ है

वैसे पिछले विधानसभा चुनाव के पूर्व की एक जिला पंचायत सीट पर हुए उप चुनाव में जब सत्ताधारी दल ने शिकस्त खाई थी और उसके बाद विधानसभा चुनाव में पूरी तरह हार का सामना भाजपा को करना पड़ा था इस तरह के उदाहरण देखकर यह मानना ही होगा कि इस चुनाव के परिणाम से आगे विधानसभा चुनाव का परिणाम जुड़ा भी रहेगा और प्रभावित भी करेगा। अब गोंडवाना गणतंत्र पार्टी मैदान में है और दो राष्ट्रीय दल भी मैदान में हैं अपने अपने समर्थित उम्मीदवार को सभी जीत दिलाने की कोशिश में लगेंगे और परिणाम से ही भविष्य तय होना है और किसकी किस्मत चमकने वाली है यह यही चुनाव तय करेगा।

पक्ष विपक्ष की निगरानी समिति के बावजूद किसान धान खरीदी केंद्र में क्यों हो रहे परेशान?

- किसान भाजपा सरकार में 18 सौ पाकर भी थे पीड़ित और कांग्रेस सरकार में 25 सौ पाकर भी पीड़ित है क्यों?
- पटना समिति में प्रबंधक मुंह देखा देखी कर किसानों की कर रहे धान खरीदी,धान में निकालते हैं नुक्स, मांगा पूरी होने पर सारे नुक्स हो जाते हैं समाप्त
- किसान समितियों में धान बेचने के लिए किस कदर हो रहा परेशान शायद कुर्सी पर बैठे लोगों को नहीं आ रहा समझ
- 4 साल किसके लिए बेमिसाल किसान तो आज भी परेशान?
- मिट्टी का मुर्ग युक्त घटिया किस्म वर्मी कंपोस्ट खरीदने का दबाव किसान पर क्यों?
- किसान पर 3 हजार का वर्मी कंपोस्ट खरीदने का इतना दबाव कि नहीं लेने पर बाकी खाद से भी हो रहे वंचित
- सरकार मना रही 4 वर्षों की गौरव दिवस, वहीं किसान सहकारी समितियों की जबरदस्ती से परेशान
- धान को खराब बता जबरन किसानों से क्यों हो रही उगाही, चढ़ावे के बाद वही धान कैसे हो जाता है सही?
- अधिकारियों के दौरे भी केवल संधारित पंजी निरीक्षण तक सीमित,किसानों से कोई सरोकार नहीं
- किसी तरह काम हो जाए इस मबुरी में किसान भी नहीं हो पाते लामबंद
- सहकारी समितियों में गठित निगरानी समिति केवल कागजों तक सीमित
- प्रति कुंटल 25 सौ रूपए धान के एवज में सैकड़ों समस्याओं का जवाबदेह कौन?

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कहने को तो छत्तीसगढ़ किसानों का प्रदेश है और प्रदेश में तथाकथित किसान हितैषी सरकार भी विगत 4 वर्षों से विराजमान है। जो अपनी उपलब्धियों और 4 वर्षों के सफर को लेकर पूरे छत्तीसगढ़ में गौरव यात्रा का आयोजन कर रही है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष भी सरकार के विगत 4 वर्षों के कार्यकाल को लेकर आईना दिखाने के लिए प्रत्येक जिले में प्रेस वार्ता कर सरकार की असफलताओं को गिना रही है। परंतु वास्तविकता के धरातल पर आम जनता की उम्मीदों पर ना तो सरकार की संवेदनाएं हैं और ना ही विपक्ष की सहानुभूति। दोनों अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने को तत्पर हैं। वही किसानों की दुर्गति सर्वव्याप्त है। प्रदेश में धान खरीदी का सीजन चल रहा है। सरकार और प्रशासन के किसान हित में सैकड़ों दावे हैं। नेता से लेकर अधिकारी तक सतत मॉनिटरिंग में जुटे हुए हैं। वहीं विपक्ष भी पीछे नहीं है। लगभग सभी नेताओं के कदम आए दिन किसी न किसी सहकारी समिति में पड़ रहे हैं। राजनीतिक पार्टियों द्वारा कागजी निगरानी समितियों का गठन किया गया है। सबके अपने-अपने प्रारब्ध हैं, जो उन्हें सर्वोच्च किसान हितैषी बनने का मुखौटा प्रदान कर रहे हैं। परंतु समस्याओं की जड़ें इतनी गहरी हैं कि सारे दावे धरातल पर खोखले नजर आ रहे हैं।

पक्ष-विपक्ष के नेता समितियों में किसान हितैषी बनकर घूम रहे,समस्याओं के समाधान में असफल

जहां एक और समितियों में किसानों के समक्ष सैकड़ों समस्याएं विद्यमान हैं। वहीं स्वयं को सर्वोच्च किसान हितैषी बताने के लिए पक्ष और विपक्ष के छोटे से लेकर बड़े नेता प्रतिदिन समितियों का निरीक्षण और दौरा कर रहे हैं। सोशल मीडिया और अखबार की सुर्खियां बनने के लिए किसानों के साथ फोटो खिंचवाने से लेकर तमाम तरह की गतिविधियों को क्रियान्वित करने वाले तथाकथित किसान हितैषी नेताओं की पोल उस समय खुल जाती है जब किसान समितियों की मनमानी, वहां व्याप्त अव्यवस्था और जबरन उगाही का शिकार होकर घर लौटता है। समितियों में बारदाने प्राप्ति से लेकर धान की भराई, तौलाई और समिति के सुपुर्दनामे तक कदम कदम पर किसानों की जेबें ढीली हो रही है। चाहे वह मनमानी हमाली राशि के रूप में हो, या धान को खराब बता उसके एवज में रुपयों की वसूली हो, वास्तविक किसान हर कदम पर ठगा जा रहा है। जबकि रसूख वाले लोग और राजनीतिक पार्टियों से संबंधित लोगों के कार्य समितियों में बड़ी आसानी से निपटते हैं।

किसानों को धान बेचने और खाद बीज लेने के एवज में कथित वर्मी कंपोस्ट लेने को जबरन किया जा रहा मजबूर

शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना ग्रामीणों से गोबर खरीद कर उनके आय में वृद्धि करने की मंशा बहुत अच्छी थी। परंतु अब उसी गोबर को गौठानों के जरिए वर्मी कंपोस्ट में तब्दील कर जबरन किसानों को बेचा जाना अत्याचार नजर आ रहा है। अत्याचार इसलिए क्योंकि गोबर को वर्मी कंपोस्ट में परिवर्तित होने के लिए लगभग 5 छह माह का समय लगता है। परंतु गौठान समूहों पर इतना दबाव है की उन्हें उक्त गोबर को एक डेढ़ माह में ही वर्मी कंपोस्ट के रूप में तब्दील कर समितियों में पहुंचाना है। क्योंकि प्राकृतिक रूप से इतने कम समय में वर्मी कंपोस्ट का निर्माण संभव नहीं है। अतः अधिकतम गौठान समूह उक्त गोबर को तथाकथित वर्मी कंपोस्ट दिखाने के लिए उसमें अत्यधिक मात्रा में मुरूम या रेत का मिलावट कर रहे हैं। जो किसानों के लिए किसी भी प्रकार से लाभदायक नहीं है। तात्पर्य है कि जो गोबर सरकार समूहों के माध्यम से 2 रूपए प्रति किलो खरीद रही है, उसी गोबर में रेत और मुरूम मिलाकर समितियों के माध्यम से किसानों को 10 रूपए प्रति किलो की दर से खरीदने पर मजबूर किया जा रहा है। यदि किसान इस वर्मी कंपोस्ट को खरीदने से इंकार करता है, तो उसे धान खरीदी का टोकन नहीं जारी किया जाता और समिति से अन्य रासायनिक उर्वरक खाद और बीज भी प्रदाय नहीं किया जा रहा है। और ऐसा भी उन्हीं किसानों के साथ किया जा रहा है जो वास्तव में किसान हैं। धान के व्यापारी, बिचौलिए, समाज के रसूखदार और राजनीतिक पार्टी से संबंधित लोगों को यह वर्मी कंपोस्ट नहीं दिया जाता। यह दोहरी नीति किसान हितैषी यों को दिखाई नहीं देती।

वर्मी कंपोस्ट लेने से मना करने पर किसान को बैरंग वापस लौटाया, खुले बाजार से खाद खरीदने की दी नसीहत

ताजा मामला पटना सहकारी समिति का है, जहां चंपाझार के एक किसान ने गेहूं और सरसों की फसल बुवाई के लिए समिति में खाद लेने की गुजारिश की तो पहले तो समिति प्रबंधक अनुप कुशवाहा ने उसे वर्मी कंपोस्ट क्रय करने के बाद ही खाद देने की बात की। जब किसान ने अत्यधिक मात्रा में वर्मी कंपोस्ट लेने से मना किया और कहा कि मुझे इतने वर्मी कंपोस्ट की आवश्यकता नहीं है, तो समिति प्रबंधक ने किसान से दुर्व्यवहार करते हुए उसे झिड़क दिया और खाद देने से इनकार कर दिया। यहां तक की समिति प्रबंधक ने उसे खुले बाजार से खाद देने की नसीहत दे डाली। उक्त समिति प्रबंधक के किसानों से दुर्व्यवहार के कई मामले सामने आ चुके हैं। सत्तापक्ष से जुड़े होने का धौंस और तमाम शिकायतों के बाद भी कोई कार्यवाही ना होने के कारण प्रबंधक का हौसला बुलंद है। जबकि प्रबंधक की मनमानी के कारण आम किसान आए दिन परेशान हो रहे हैं।

लगभग प्रतिदिन समितियों में पहुंच रहे नेता, परंतु हमाली राशि किसानों को ही देनी पड़ रही

सरकार,सत्तापक्ष, प्रशासन चाहे जितने दावे कर ले परंतु आज तक किसी ने भी धान खरीदी के समय शासन द्वारा दी जाने वाली हमाली राशि का भुगतान समिति प्रबंधकों से कराने का हौसला नहीं किया। यह राशि सदा किसानों की जेब से ही वसूली जाती रही है, और आज भी वसूली जाती है। जबकि धान खरीदी के पूर्व तमाम तरह के दावे किए जाते हैं। समितियों का दौरा किया जाता है, सतत निगरानी, निरीक्षण की जाती है। परंतु सैकड़ों शिकायतों के बाद भी प्रशासन, अधिकारी, पक्ष और विपक्ष के नेताओं को किसानों की यह समस्या दिखाई नहीं देती। जबकि यदि सुक्ष्मता से जांच की जाए तो प्रत्येक समितियों में मिलने वाली लाखों की इस राशि का हर वर्ष समिति प्रबंधकों द्वारा गबन कर लिया जाता है। समितियों में तैनात हमाल किसानों से अनाप-शनाप पैसा वसूलते हैं, जिसमें समिति में कार्यरत कर्मचारियों का भी अहम योगदान होता है। लाचार और मजबूर किसान अपने मेहनत से उपार्जित धान को बेचने के लिए 100 तरह के जतन करता है और अंततः अपनी जेब भी ढीली करता है।

धान को खराब बता जबरन किसानों से उगाही,चढ़ावे के बाद धान हो जाता है सही

धान खरीदी को लेकर किसान यदि सबसे अधिक परेशान हैं तो वह पटना समिति में यहां पर समिति प्रबंधक का व्यवहार किसानों के लिए कुछ अच्छा नहीं है, जब से इन्होंने कांग्रेस का पट्टा पहना है तब से उनके व्यवहार में परिवर्तन आ गया है, किसानों से तो ऐसा बात करते हैं जैसा लगता है कि इस क्षेत्र के किसान इनके पास धान बेचकर कोई गुनाह कर रहे हो, इनके धान को इस कदर खराब निम्न स्तर का बताकर परेशान किया जाता है पर यही धान तब सही हो जाता है जब किसान समिति से धान वापस ना ले जाकर परेशान होने में होने वाले खर्च को को इनके ऊपर चढ़ा देता है, ऐसे ही कई किसानों ने समिति प्रबंधक पर आरोप लगाते हुए बताई है। यहां तक की समिति प्रबंधक किसान यदि वर्मी कंपोस्ट खाद नहीं लेता है तो उसे अन्य खाद्य भी नहीं देते हैं बोलते हैं यह ऊपर का आदेश है बाकी खाद चाहिए तो वर्किंग कंपोस्ट घटिया ही क्यों ना हो आपको लेना पड़ेगा, अब यह तो गजब जबरदस्ती है किसानों का अच्छा धान खराब पर प्रशासन द्वारा दिए जा रहे वर्मी कंपोस्ट खराब होने के बाद भी अच्छा कैसे?

अधिकारियों के दौरे भी केवल संधारित पंजी निरीक्षण तक सीमित, किसानों से कोई सरोकार नहीं

अधिकारियों का दौरा इसलिए समितियों में किया जाता है ताकि किसानों की परेशानी को अधिकारी समझें और उनकी परेशानी को दूर करें पर उनका दौरा तो सिर्फ पंजी में रह जाता है, किसान की समस्या तो वही की वही रहती है इनके दौरे सिर्फ रजिस्टर में खानापूर्ति के लिए सिर्फ दर्द होता है, बाकी किसान की समस्या कोई नहीं सुनता सब अपनी हाजिरी पका कर चलते बनते हैं।

किसी तरह काम हो जाए, इस वजह से किसान भी नहीं हो पाते लामबंद-

पटना समिति में किसान बड़ी मेहनत से फसल को उगा कर उसकी साफ-सफाई कर धान को बोरे में भरकर गाड़ी किराए कर धान बेचने समिति पहुंचता है पर जब समिति पहुंचने पर समिति द्वारा उनके धान को खराब बता दिया जाता है और कई घंटों तक उनके सात वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है, उसके बाद किसान यह सोचता है कि मैं यदि धान को फिर लेकर जाऊंगा तो फिर मेरे को लाने ले जाने में अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा तो क्यों ना उस खर्च का पैसा समिति के लोगों को ही दे दिया जाए और जैसे ही यह पैसा समिति को प्राप्त होता है उनका धान सही हो जाता है, गजब का खेल समितियों में चल रहा है पर किसान करे तो करे क्या? यह तो वही वाली कहावत हो गई सैंया भए कोतवाल तो डर किस बात का।

सहकारी समितियों में गठित निगरानी समिति केवल कागजों तक सीमित

निगरानी समिति भी गजब की है सिर्फ वह किसानों के साथ अपना जनसंपर्क साध रही है क्योंकि 2023 आने वाला है उसका हितेषी बनना है बताना है ताकि 2023 में उनकी सहानभूति बहुत मिले और हम जीत जाए पर क्या सहानभूति से ही किसान खुश होगा या फिर वाकई में उसकी परेशानी कोई दूर करने आएगा, किसान के नाम पर खूब होती है राजनीति पर किसान की समस्या तो चढ़ जाती है राजनीति की भेंट।

प्रति क्विंटल 25 रूपए धान के एवज में सैकड़ों समस्याओं का जवाबदेह कौन ?

बीजेपी के समय में किसान को 1850 मिल रहे थे पर धान बेचने में कोई पाबंदी नहीं थी तब किसान रकम कम होने की वजह से वह बोनस ना मिलने की वजह से उस सरकार से नाराज था जब वर्तमान सरकार ने अपने दिए हुए वादे के साथ 25 सौ रुपए देना शुरू किया तो किसानों को उचित मूल्य मिलने लगा पर उचित मूल्य के साथ समस्याएं भी कई मिलने लगी, अब यह समस्या सरकार के 5 साल खत्म होने को है फिर भी यह समस्या जारी है और यह समस्या है तो सिर्फ किसानों पर अतिरिक्त दबाव का, कभी खाद खरीदने का दबाव तो कभी बोरे को लेकर समस्या तो कभी धान खराब है तो कभी धान मोटा है तो कभी धान पतला है ऐसे ऐसे समस्याओं के बीच किसान जैसे तैसे धान बेच पाता है कभी टोकन में दिक्कत आती है तो कभी खाद लेने में दिक्कत आती है।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने कोल माइंस के सुरक्षा में तैनात सुरक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा सुनिश्चित करने के दिया निर्देश

- संवाददाता -
कोरबा, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा एसईसीएल के खदानों में चोरी की घटनाओं को रोकने हेतु पुलिस अधीक्षक सभागार में एसईसीएल माइंस के सुरक्षा में तैनात एसईसीएल सुरक्षा , त्रिपुरा स्टेट राइफल्स एवं सीआईएसएफ के अधिकारियों सहित पुलिस अधिकारियों का बैठक लेकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि एसईसीएल माइंस के आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी एसईसीएल के सुरक्षाकर्मी एवं एसईसीएल द्वारा तैनात किए गए त्रिपुरा स्टेट राइफल्स एवं सीआईएसएफ जवानों की है ,जिन्हें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाना चाहिए , आवश्यकता पड़ने पर उन्हें पुलिस द्वारा सहयोग उपलब्ध कराया जाता रहा है, भविष्य में भी सहयोग किया जाएगा । उन्होंने अधिकारियों से माइंस में डीजल , कोयला, कबाड़ चोरी करने वाले चोरों की सूची भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही किया जा सके । पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने आगे कहा कि माइंस में चोरी करने वाले अपराधियों को बक्शा नहीं जाएगा । इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा , एसईसीएल सुरक्षा निरीक्षक नीरज कुमार,नितिन बघेल,अशोक कुमार दुबे,पी आर खंबड़कर, त्रिपुरा स्टेट राइफल से असिस्टेंट कमांडेंट मृण्मयी चकमा, अरिंदम , थाना प्रभारी दीपका निरीक्षक अभिनव कांत सिंह ,थाना प्रभारी कुसमुंडा निरीक्षक राजेश जांगड़े ,चौकी प्रभारी हरदीबाजार उप निरी. मयंक मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्द कहने पर पाकिस्तान विदेश मंत्री का पुतला दहन कर जताया विरोध

- संवाददाता -
कोरबा, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को लेकर अपशब्द कहे जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में उनका विरोध कर रही है । इसी कड़ी में जिला भाजपा कार्यकर्ताओं ने टीपी नगर चौक पर विरोध प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्री का पुतला जलाकर अपना विरोध जताया । भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि वह पाकिस्तान की निंदा करते हैं, इस प्रकार से हमारे देश के प्रधानमंत्री को लेकर जो बातें कही गई वह बर्दाश्त के काबिल नहीं है । इस मौके पर पूर्व संसदीय सचिव लखन लाल देवांगन ,पूर्व महापौर जागेश लांबा ,भाजपा जिला कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी ,महामंत्री संतोष देवांगन प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंजू सिंह, सुमन सोनी कोसा बाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे ।

कार्यालय,कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग,(वि./यां.) संभाग अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-6568/ NIT-14/ 2022-2023/ व.ले.लि. दिनांकः 14/12/2022

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 26/12/2022 अपरान्ह 5:30 बजे तक
ठेकेदारें द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 04/01/2023 अपरान्ह 5:30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 05/01/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

कार्य हेतु :-

निविदा प्रपत्र का मूल्य :-750.00 रूपये, निविदाकारों की श्रेणी :- ई-पंजीयन के अंतर्गत द से अ तक तथा कार्य की अवधि T0123 से T0124 हेतु दिनांक 30.06.2023, T0122 हेतु दिनांक 31.08.2023 एवं अन्य हेतु दिनांक 31.03.2023 तक वर्षा ऋतु सहित निर्धाति है।

एन आईटी क्र.14 निविदा क्र.	कार्य का नाम NoOfCalls (प्रथम आमंत्रण)	कार्य की अनुमातनित लागत (लाख में)-अमानत राशि (रू.में) बैंक साल्वेंसी (रू. में)
1	2	3
T0107	जशपुर जिले में ब्लाक पत्थलगांव एवं दुलदुला के अंतर्गत शासकीय अवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	6.00-5000.00-90000.00
T0108	जशपुर जिले में ब्लाक कांसाबेल एवं फरसाबहार के अंतर्गत शासकीय अवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य	6.00-5000.00-90000.00
T0109	जशपुर जिले में ब्लाक जसपुर के अंतर्गत शासकीय अवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	6.00-5000.00-90000.00
T0122	सरगुजा जिले में डिग्री कॉलेज सीतापुर के अंतर्गत 6 नग अतिरिक्त क्लास रूम में विधुतीकरण कार्य। //सिविल जमा कार्य//	7.85-5888.00-117750.00
T0123	सरगुजा जिले में लो क निर्माण विभाग वि/यां. उपसंभाग अम्बिकापुर के अंतर्गत संभावित सर्किट हाउस/रेस्ट हाउस भवनों में विधुतीकरण का वार्षिक मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य	9.60-7200.00-144000.00
T0124	सूरजपुर जिले में लोक निर्माण विभाग वि/यां. उपसंभाग सूरजपुर के अंतर्गत संभावित सर्किट हाउस/रेस्ट हाउस भवनों में विधुतीकरण का वार्षिक मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य	9.99-7500.00-145850.00
T0125	जशपुर जिले में ब्लाक बगीचा के अंतर्गत शासकीय अवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	6.00-5000.00-90000.00
T0126	जशपुर जिले में ब्लाक कुनकुरी एवं मनोरा के अंतर्गत शासकीय अवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	6.00-5000.00-90000.00
T0127	सरगुजा जिले में लो क निर्माण विभाग वि/यां. उपसंभाग अम्बिकापुर अंतर्गत ब्लाक सीतापुर एवं ब्लाक मैनपाट में संभावित शासकीय अवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों में विधुतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	18.72-14040.00-280800.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live lender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी नंबर-96770/1

कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

महावीर हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने किया कुसमी की जनता के हित मे कार्य

- संवाददाता -
कुसमी, 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एक और आज के जमाने मे जहाँ चिकित्सा सुविधा लेना लोगो को निजी अस्पताल में काफी महंगा पड़ता है तो वही सरगुजा संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर में संचालित निजी महावीर हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने यह साबित किया कि वे मानव समाज के हित मे निःशुल्क सेवा दे सकते है भला आज के जमाने में लोग पैसों के आगे मानव समाज के हित मे काम करने से जहाँ परहेज करते वही महावीर हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने निजी हॉस्पिटल होने के बाउजूद भी कुसमी में निःशुल्क स्वास्थ कैम्प का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर में करके करीब 350 मरीजो के स्वाथ्य परिक्षण एवं दवा का वितरण किया ,आज के चिकित्सा कैम्प महावीर हॉस्पिटल में सेवा दे रहे चिकित्सकों में डॉ सुधांशु किरण सर्जन,डॉ सुषमा रवि, स्त्री एवं प्रसुति रोग्य विशेषज्ञ,डॉ अनुरंजन दुबे,हड्डी,नस एवं जोड़ रोग्य विशेषज्ञ, डॉ राकेश वर्मा जनरल फिजिशियन,व्यवस्थापक हरेंद्र कुमार सिंह के साथ पुरी चिकित्सा टीम शामिल हुये, वही इस चिकित्सा कैम्प से कुसमी क्षेत्र के लोगो ने निजी अस्पताल के इस तरह से मानव सेवा देने से काफी खुसी जताई, सर्जन डॉ सुधाशु किरण ने हमारे सवांददाता से चर्चा कर बताया की महावीर हॉस्पिटल का शुभारंभ 2017 में 10 बिस्तरों से किया गया था सरगुजा संभाग के मरीजों को अच्छी चिकित्सा सेवा मिलने से आज महावीर हॉस्पिटल में 70 बिस्तर सेवा देने की व्यवस्था है,साथ हि आईसीयु बेड की सुविधा भी अस्पताल में है मरीजों का ईलाज स्मार्ट कार्ड के जरिये भी किया जाता है,बहरहाल अक्सर यह देखने मे आता है कि सिर्फ शासकीय अस्पतालों के चिकित्सक ही निःशुल्क कैम्प कर चिकित्सा सेवा दिया करते है लेकिन महावीर हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने कुसमी शहर में निःशुल्क चिकित्सा सेवा देकर मावन समाज को यह बताने का काम किया है कि सिर्फ पैसा ही कमाना इस हॉस्पिटल का काम नही है बल्कि मानव सेवा भी करना काम है जो कि खुद के खर्च से हॉस्पिटल की चिकित्सको ने अपना एक दिन का कीमती समय के साथ चिकित्सा सेवा देने में जो भी खर्च लगा हो वह हॉस्पिटल के द्वारा कुसमी की जनता के हित मे दिया गया.

पूर्व जनपद उपाध्यक्ष व कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अनिल जयसवाल ने कटकोना में किया जनसंपर्क

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 18 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर जनपद पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष व कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अनिल जयसवाल ने कटकोना ग्राम पंचायत पहुंच किया जनसंपर्क। श्री जायसवाल ने कहा कि आज अपने परिवार के साथियों के साथ क्षेत्र भ्रमण के दौरान सप्ताहिक बाजार कटकोना में पहुंचकर सभी सम्मानित किसान भाइयों से सम्मानीय व्यापारी साथियों से सम्मानीय माताओं बहनों से बच्चों से मुलाकात कर सभी का हाल-चाल जान और प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री सम्मानीय भूपेश बघेल के द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली है, जिससे मालूम हुआ कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन जिला प्रशासन के द्वारा बहुत अच्छे तरीके से किया जा रहा है जिससे नीचे तक सभी वर्ग के लोगों को इसका लाभ पहुंच रहा है सभी वर्गों के लोगों ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति अपनी शुभकामनाएं प्रकट किया सभी ने धन्यवाद दिया। जिसमें मुख्य रुप से हमारे साथ पटना सहकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष ठाकुर ईश्वर दयाल सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी वहिद खान, वरिष्ठ कांग्रेसी अजीत राय, कटकोना वरिष्ठ कांग्रेसी कन्हैया लाल जायसवाल, वरिष्ठ कांग्रेसी संतोष साहू, युवा कांग्रेसी राजा खान उपस्थित रहे।

जयपुर के लिए 9 साल का इंतजार खत्म

फाइनल मैच में पुणे को हराकर दूसरी बार जीता खिताब

मुंबई,18 दिसम्बर 2022। प्रो कबड्डी लीग के 9वें सीजन का फाइनल मैच मुंबई के एनएससीआई एसव्हीपी स्टेडियम में खेले में खेला गया। यह मुकाबला पहले सीजन की खिताबी चैम्पियन जयपुर पिंक पैंथर्स और पहली बार फाइनल तक पहुंचने वाली पुणेरी पलटन के बीच खेला गया। मैच के दौरान दोनो टीमों के बीच भिड़ंत देखने को मिली। इस मैच में जयपुर पैंथर्स की टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और लंबे समय तक पुणे पर बढ़त बनाये रखी। प्रो कबड्डी लीग 2022 के फाइनल मुकाबले में जयपुर पिंक पैंथर्स पटलन को 33-29 से हराकर खिताब जीता। जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए यह दूसरा मौका है टीम ने ट्रॉफी अपने नाम किया है।

पहले हॉफ के बाद पैंथर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुणे पर 18-13 से बढ़त हासिल किया। जयपुर पिंक पैंथरर्स के लिए अर्जुन देशवाल ने पहली रेड की और उन्होंने बोनस हासिल किया। मैच की शुरुआत में पुणे ने बढ़त बनाई। जयपुर पिंक पैंथर्स भी रेडिंग और डिफेंस में अच्छा तालमेल दिखाया और स्कोर को बराबरी पर लेकर आए। दोनों ही टीमों ने लगातार पॉइंट्स हासिल करते हुए एक दूसरे को बिल्कुल भी आगे नहीं निकलने नहीं दिया। दूसरे हाफ की पहली रेड में वी. अजीत कुमार ने मोहम्मद नबीबक्श को आउट किया। इसके जवाब में जयपुर के डिफेंस ने आदित्य शिंदे को आउट करते हुए पहली बार पुनेरी पलटन को ऑल-आउट किया। अर्जुन देशवाल ने पुणे के दो डिफेंडर्स को आउट करते हुए एक बार फिर दबाव उनके ऊपर डाल दिया। पुणे के ऊपर दूसरी बार लोना का खतरा आ गया था, लेकिन आदित्य शिंदे ने जयपुर के दो डिफेंडर्स को आउट कर दिया। जयपुर ने पुणे को अपने पास आने ही नहीं दिया और शानदार तरीके से अपनी लीड को बरकरार रखा।

30 मिनट के बाद स्कोर 25-21 से जयपुर पिंक पैंथर्स के पक्ष में था। टाइम आउट के बाद जयपुर ने पुणे को ऑल-आउट के करीब धकेल दिया। 35वें मिनट के बाद पुणे 6 पॉइंट्स से पीछे था। पुणे ने अर्जुन को सुपर टैकल करते हुए अंतर को कम किया और मैच में करीब आने का मौका बनाया। पुणे के रेडर्स निरंतरता के साथ प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुए और इसी वजह से उनकी टीम काफी ज्यादा पिछड़ी रही। अंत में जयपुर ने संयम दिखाते हुए इस रोमांचक फाइनल मैच को जीत लिया।

कप्तान केएल राहुल हमने इस जीत के लिए कड़ी मेहनत की

चटगांव ,18 दिसम्बर 2022। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ रविवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 188 रन से बड़ी जीत दर्ज करने के बाद कहा कि टीम ने इस जीत के लिए कड़ी मेहनत की। भारत को दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल करने के लिए पांचवें दिन केवल चार विकेट लेने की जरूरत थी और उसने सुबह के सत्र में पहले घंटे में बाकी बचे विकेट हासिल करके जीत दर्ज की। भारत ने यह बड़ी जीत जाकिर हुसैन (100) और नजमुल हुसैन शंटो (67) के बीच पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी के बावजूद हासिल की।

राहुल ने मैच के बाद कहा,''यह बेहद कड़ा मैच था और हमें जीत के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत करनी पड़ी। वास्तव में मुझे खुशी है कि हमने ऐसा किया।'' उन्होंने कहा,'' पिच सपाट थी लेकिन हम इससे चिंतित नहीं थे। ऐसा लग रहा था कि इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान है लेकिन पहले तीन दिन रन बनाना आसान नहीं था। जिस तरह से बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों ने बल्लेबाजी की, उसको देखकर हमने कड़ी मेहनत की।'' राहुल ने कहा कि बांग्लादेश से एकदिवसीय श्रृंखला 1-2 से गंवाने के बाद भारत अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध था। उन्होंने कहा,'' हम पिछले कुछ समय से यहां हैं। वनडे श्रृंखला में हम वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए जैसा चाहते थे। हम जानते थे कि जीत दर्ज करना आसान नहीं है।'' भारतीय कप्तान ने जीत में योगदान देने के लिए विशेष रूप से चेतेश्वर पुजारा, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा,'' हमने पहली पारी में अच्छी बल्लेबाजी की थी। श्रेयस और पुजारा ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई। यहां तक कि पंत ने भी अच्छी पारी खेली। मैं वास्तव में गिल और पुजारा को लेकर खुश हूं जिन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाकर शतक जड़े।''

राहुल ने अपने गेंदबाजों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा,'' हमने जिस तरह से गेंदबाजी की उससे मैं वास्तव में खुश हूं। पिच से गेंदबाजों को खास मदद नहीं मिल रही थी लेकिन इसके बावजूद उन्होंने विकेट निकाले। उमेश यादव ने दो शानदार स्पेल किए और हमें मैच में वापसी दिलाई। हमने यहां आक्रमण कई वर्षों की मेहनत से तैयार किया है। उन्होंने दिखाया कि वे क्या करने में सक्षम हैं।'' बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी लेकिन टीम ने पहली पारी में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। भारत के 404 रन के जवाब में बांग्लादेश अपनी पहली पारी में 150 रन पर आउट हो गया था। शाकिब ने कहा,'' यह बल्लेबाजी के लिए वास्तव में अच्छा विकेट था लेकिन हमने पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हम पांच-छह महीने बाद खेल रहे थे। यह आदर्श स्थिति नहीं है लेकिन यह कोई बहाना नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा,'' भारतीय गेंदबाजों को श्रेय जाता है। उन्होंने अपने जोड़ीदारों के साथ मिलकर अच्छी गेंदबाजी की और हम पर दबाव बनाया। हमें खेल के पांचों दिन अच्छी क्रिकेट खेलने चाहिए थी।

हमें भारत के खिलाफ अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिए चारों पारियों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।'' बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने 113 रन देकर आठ विकेट लिए जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि इस पिच पर विकेट हासिल करना मुश्किल था क्योंकि यह पिच सपाट थी। कुलदीप ने कहा,'' ईमानदारी से कहूं तो मैं अपनी इस प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। पहली पारी में पिच में कुछ तेजी थी, लेकिन दूसरी पारी में विकेट हासिल करना चुनौतीपूर्ण बन गया था। यह धीमी हो गई थी।

अब फीफा में कभी नहीं दिखेंगे लियोनेल मेसी

फाइनल मैच से पहले खुद ही किया कंफर्म

दोहा ,18 दिसम्बर 2022। महान फुटबॉलर्स में शुमार अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मेसी अब वर्ल्ड कप में कभी भी नजर नहीं आएंगे। उन्होंने आज खुद इस बात की पुष्टि कर दी है। उन्होंने साफ- साफ कह दिया है कि वर्ल्ड कप 2022 का फाइनल उनका आखिरी वर्ल्ड कप मैच होगा। अर्जेंटीना की टीम फाइनल में आज फ्रांस के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। यानी मेसी आज आखिरी बार वर्ल्ड कप का मुकाबला खेलते हुए नजर आएंगे। स्टार खिलाड़ी की अगुआई में अर्जेंटीना ने क्रोएशिया को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। फाइनल में एंट्री करने के बाद मेसी ने कहा था कि वर्ल्ड कप के फाइनल में अपने सफर का अंत करने, आखिरी फाइनल मैच खेलने पर मैं बहुत खुश हूं। ये बहुत ही संतोषजनक है।

अब ये देखना दिलचस्प होगा कि मेसी अपने सफर का अंत वर्ल्ड चैंपियन बनकर करते हैं या फिर दो बार के रनर अप के रूप में करते हैं। दरअसल अर्जेंटीना ने अपना पिछला वर्ल्ड कप फाइनल 2014 में खेला था, जहां जर्मनी ने उसे हराकर मेसी का वर्ल्ड चैंपियन बनने का ख्वाब तोड़ दिया था। मेसी ने अर्जेंटीना की मीडिया से बात करते हुए कहा था कि इसे हासिल करके काफी खुश हूं। फाइनल के साथ ही अपने वर्ल्ड कप सफर का अंत करूंगा।

मेसी ने आगे कहा कि अगले वर्ल्ड कप में अभी काफी समय है और मुझे नहीं लगता कि मैं ये कर पाउंगा और इस तरह से सफर का अंत करना बेस्ट है। मेसी का ये 5वां वर्ल्ड कप है और वो वर्ल्ड कप के इतिहास में अभी तक कुल 11 गोल दाग चुके हैं। 11 में से 5 गोल उन्होंने इस वर्ल्ड कप में किए हैं। अर्जेंटीना के स्टार मेसी ने रिकॉर्ड्स पर कहा कि ये सब अच्छे हैं, मगर टीम के लक्ष्य का हासिल करने में सक्षम होना सबसे अहम है, जो सबसे खूबसूरत चीज होती है। उन्होंने फाइनल के लिए कहा कि हम एक कदम दूर हैं और इतिहस रचने के लिए हम अपना सब कुछ लगा देंगे।

क्रोएशिया ने फीफा विश्व कप में हासिल किया तीसरा स्थान

अल रैयान ,18 दिसम्बर 2022। क्रोएशिया ने मिस्लाव ओर्सिच के निर्णायक गोल से शनिवार को फीफा विश्व कप 2022 के कांस्य पदक मैच में मोरक्को को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया।

खलीफा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में जोस्को ग्वार्डिओल ने सातवें मिनट में गोल करके क्रोएशिया का खाता खोला, लेकिन मोरक्को ने नौवें मिनट में अशरफ दारी के गोल से मैच में वापसी कर ली। ओर्सिच ने 42वें मिनट में गोल जमाया जो क्रोएशिया की जीत में निर्णायक साबित हुआ। विश्व कप 2018 की उपविजेता क्रोएशिया ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट के इस संस्करण में तीसरा स्थान हासिल कर लिया, जबकि मोरक्को चौथे स्थान पर रहा। विश्व विजेता का फैसला रविवार को अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच होने वाले खिताबी मैच से किया जायेगा।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

मेलबर्न ,18 दिसम्बर 2022। ऑस्ट्रेलिया ने इन गर्मियों में घर पर अपनी नाबाद टेस्ट स्थिति को बनाए रखा है और रविवार को ब्रिस्बेन में निराशाजनक दक्षिण अफ्रीका पर छह विकेट की जीत के साथ अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि इस जीत से ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग के शीर्ष पर आगे बढ़ गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका भारत से आगे निकल गया है और तीसरे स्थान पर आ गया है।

ऑस्ट्रेलिया अब 76.92 जीत प्रतिशत रखता है, भारत (55.77) अब दक्षिण अफ्रीका (54.55) से आगे है, दिन में चटोग्राम में बांग्लादेश पर 188 रन की जीत के बाद।ऑस्ट्रेलिया के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के रूप में टेस्ट मैच दो दिनों से भी कम समय में खत्म हो गया था - द गाबा में गेंदबाज के अनुकूल सतह से कुछ सहायता के साथ - एक प्रभावशाली टीम प्रदर्शन के साथ दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों का हल्का काम। कप्तान पैट कमिंस (5/42) और लगातार स्कॉट बोलैंड (2/14) ने रविवार को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया, जबकि मिचेल स्टार्क (2/26) ने दिन की शुरुआत में अपना 300वां टेस्ट विकेट चटकाया, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका की हार हुई थी। अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 99 रन पर।

बॉबी देओल ने कुणाल कोहली की श्लोक- द देसी शेरलॉक की शूटिंग की पूरी

अभिनेता बॉबी देओल के लिए यह साल काफी अच्छा रहा। अब उन्होंने अपने एक प्रोजेक्ट को निपटा लिया है। उन्होंने कुणाल कोहली की फिल्म श्लोक- द देसी शेरलॉक की शूटिंग की पूरी कर ली है। अभिनेता ने सेट से तस्वीरें शेयर करते हुए इस संबंध में जानकारी दी है। इस फिल्म का निर्देशन कुणाल ही कर रहे हैं। यह एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है, जिसमें बॉबी का अलग अंदाज देखने को मिलेगा। बॉबी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, फिल्म श्लोक- द देसी शेरलॉक की शूटिंग पूरी हुई। टीम के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। बेहतरीन लोगों के साथ मैंने काम किया। उन्होंने सितंबर में फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। इस फिल्म से अनन्या बिड़ला बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली हैं। वह आदित्य बिड़ला ग्रुप के चैयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी हैं। फिलहाल एक गायिका के रूप में उनकी पहचान है।

9 साल की उम्र में अमिका शैल ने बनाई थी अलग पहचान,अब कर रही लाखों दिलों पर राज

अमिका एक फिटनेस मॉडल और ईएसएन इंडिया की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। उन्होंने काफी कम उम्र में अपनी अलग पहचान बना ली है। फिल्म लक्ष्मी, मिर्जापुर 2, गंदी बात 6, डिज्नी+हॉटस्टार की छत्तीस और मैना आदि में किरदार निभा चुकी हैं। गायिका से अभिनेत्री बनीं अमिका शैल का जन्म और पालन-पोषण पश्चिम बंगाल में हुआ। अमिका शैल की बचपन से ही संगीत में रुचि थी, उन्होंने अपनी मां से संगीत शिक्षा ली। 9 साल की उम्र में अमिता शैल ने लिटिल चैंप्स से अपने सफर की शुरुआत की थी। बंगाली सारेगामापा, इंडियन आइडल, वॉयस ऑफ इंडिया जैसी सिंगिंग रियलिटी शो का भी हिस्सा रह चुकी हैं। मां से संगीत की शिक्षा लेने वाली अमिका ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में स्नातकोत्तर किया है। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद अमिका मुंबई चली गईं। प्लेबैक सिंगिंग के साथ उन्होंने कई एल्बम किये । विशाल ददलानी, मोहित चौहान, जावेद अली, अमित कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ वह प्लैटफॉर्म शेयर कर चुकी हैं। मैडम सर, लाल इश्क, शादी के सियाप्पे, गुनाह और अभय जैसे वेब शो और टेलीविजन सीरीज का भी हिस्सा रह चुकी हैं। जनवरी 2022 में अमिका ने मिस्त्र में आयोजित वर्ल्ड यूथ फोरम में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। दुनिया भर के प्रसिद्ध गायकों के साथ उन्होंने अपना परचम लहराया है। हृदय वी शेट्टी (रोहित शेट्टी के भाई), शैलेंद्र सिंह और श्री अधिकारी ब्रदर्स की फिल्मों मुख्य किरदार निभाती हुई अमिका शैल नज़र आने वाली हैं। अमिका शैल की 2 संगीत वीडियो रिलीज़ होने वाली है, इसके अलावा मलयालम फिल्म नोबॉडी और बांद्रा में उनका शानदार नृत्य प्रदर्शन देखने को मिलने वाला है। अमिता शैल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, यही वजह है कि सोशल मीडिया पर दर्शकों का प्यार उनके लिए बना रहता है।

रितेश देशमुख की वेड से सलमान खान ने साझा की अपनी पहली झलक

रितेश देशमुख की आने वाली मराठी फिल्म वेड चर्चा में है। पहली बार होगा जब रितेश किसी मराठी फिल्म में अपनी पत्नी जेनेलिया डिसूजा के ऑपोजिट नजर आएंगे। शनिवार को रितेश के जन्मदिन के मौके पर जेनेलिया ने फिल्म के सेट का एक वीडियो शेयर किया है। हालांकि, दर्शकों को उत्साहित करने वाली खबर ये है कि फिल्म में सलमान खान का कैमियो भी होगा। शनिवार को फिल्म से सलमान ने अपनी पहली झलक शेयर की है।

वेड में सलमान एक डांस नंबर करते नजर आएंगे। शनिवार को इस गाने का टीजर शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, भाई का बर्थडे है, गिफ्ट तो बनता है। टीजर में रितेश देशमुख और सलमान दोनों ही अपने टपोरी स्टाइल में नजर आ रहे हैं। सलमान का अंदाज देखकर दर्शकों को वॉन्टेड के राधे की याद आ गई। हालांकि, टीजर में वेड लावलय गाने की रिलीज डेट की जानकारी नहीं दी गई है। वेड 2019 की तेलुगु फिल्म मजिली का रीमेक है। यह 30 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म का निर्देशन भी रितेश खुद कर रहे हैं। फिल्म में रितेश और जेनेलिया डिसूजा की जोड़ी रोमांस करती दिखेगी। इस फिल्म में रितेश एक बेरोजगार युवा के किरदार में हैं, जिसकी पत्नी अकेले घर चलाती है। अब सलमान की एंट्री ने वेड को लेकर दर्शकों में इसके लिए उत्सुकता बढ़ा दी है।

'फुरसत से तू नाच बेबी' के लिए डांस स्टेप्स सीखने में करनी पड़ी मेहनतः चाहत खन्ना

'बड़े अच्छे लगते हैं' की अभिनेत्री चाहत खन्ना का कहना है कि उन्हें अपनी फिल्म 'धूप छांव' के गाने 'फुरसत से तू नाच बेबी' के लिए डांस स्टेप्स सीखने में काफी मेहनत करनी पड़ी है। वह साझा करती हैं, जब मैं 'धूप छांव' की शूटिंग कर रही थी, तो यह मेरा पहला डांस नंबर था। मैं स्कूल के समय से ज्यादा डांस नहीं करती थी और इसलिए यह मेरे लिए एक मुश्किल काम था। मेरे दोस्त मुझे चिढ़ाते थे और मुझे लगता था जैसे मुझे आगे बढ़ने की जरूरत थी, इसलिए लगभग एक साल तक मैंने डांस सीखा।

वह आगे कहती हैं, और उस अवधि के अंत में, लगभग एक चमत्कार या इनाम की तरह, मुझे 'फुर्सत से तू नाच बेबी' का प्रस्ताव मिला। चाहत को 'कुमकुम', 'काज्जल', 'कुबूल है' और कई अन्य फिल्मों के लिए जानी जाती है। वह कहती हैं कि उन्होंने अपने नृत्य कौशल को पूरा करने में घंटों बिताए और बीमार भी पड़ गईं। हमने इसके लिए कठिन प्रशिक्षण और शूटिंग के घंटे बिताए हैं। वास्तव में 3 दिनों के लिए, हमने हर दिन 12 घंटे बिना रुके प्रशिक्षण लिया और मैं अंत में बीमार पड़ गयी। इसलिए हमें शूटिंग स्थगित करनी पड़ी और जब हम इसमें वापस आए, तो हम इसे सीधे 8 घंटे में शूट किया। लेकिन कुल मिलाकर यह एक खूबसूरत अनुभव था और मेरे दिल में हमेशा एक खास जगह रहेगी।

खदान में मृत कर्मचारी को बीमार बताकर छोड़ दिया घर पर

गुस्साए ग्रामीणों ने शव रखकर कंपनी का काम किया ठप्प

कोरबा/कुसमुंडा,18 दिसम्बर 2022(ए)। एसईसीएल की कुसमुंडा खदान में निजी कंपनी एनएसपीएल की साइट पर काम के दौरान ठेका श्रमिक की मौत हो गई। इसके बाद कंपनी के कहने पर 3 लोगों ने मृत कर्मी का शव घर पर छोड़ा और यह कह दिया कि वह बीमार है। परिजन जब उसे अस्पताल लेकर पहुंचे तब पता चला कि उसकी मौत तो कई घंटे पहले हो चुकी है। इससे बिफरे ग्रामीणों ने शव को खदान में रखकर प्रदर्शन करते हुए घटना की वास्तविकता का पता लगाने और मुआवजे की मांग की।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के कुसमुंडा माइंस में ओवरबर्डन की मिटटी हटाने और दूसरे कार्यों के लिए नारायणी संस प्राइवेट लिमिटेड को ठेका दिया गया है। इस कंपनी के अधीन काफी समय से 39 वर्षीय लल्लू पटेल टायर सेक्शन में सुपरवाइजर का काम कर रहा था। खबर के अनुसार कंपनी के कुछ लोगों ने कल लल्लू को बीमार बताकर घर में छोड़ा था। जिस पर परिजन हरकत में आए और उसे अस्पताल लेकर गए। निजी अस्पताल में लल्लू पटेल की जांच के दौरान डॉक्टरों ने काफी पहले उसकी मौत हो जाने की बात कही। यह जानकारी मिलने के बाद परिजन भड़क गए।

बाइक में बांध कर लाये और घर पर छोड़ गए

पति की मौत की जानकारी मिलने से पत्नी की हालत बिगड़ गई। वह कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं थी। लल्लू पटेल की मां ने बताया कि उसका पुत्र सही सलामत काम करने के लिए खदान गया हुआ था। कुछ घंटे बाद तीन लोग उसे बांध कर लाए और यहां छोड़ दिया।

ठेका कंपनी में काम करने वाले ग्रामीण लल्लू पटेल की मौत होने की खबर जल्द ही आसपास में आम हो गई। इसके बाद ग्रामीण शव को लेकर कुसमुंडा खदान पहुंच गए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामला उलझते हुए देख प्रबंधन और पुलिस के अधिकारी यहां पहुंचे।

घटना की होगी जांच

कुसमुंडा खदान में प्रदर्शन के चलते कामकाज ठप्प रहा और वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस और प्रबंधन की मध्यस्थता से हुई वार्ता के बाद यह तय हुआ कि पोस्टमॉर्टेम रिपोर्ट और घटना की जांच के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी, वहीं मौके पर मृतक के परिजनों को मुआवजे के रूप में साढ़े 3 लाख रूपये दिए गए।

बता दें कि इससे पहले भी कई मामलों को लेकर हस्क्क कंपनी सुर्खियों में रही है। कुछ समय पहले ही यहां एक और मजदूर की मौत हो चुकी है। इस बार मजदुर की मौत के बाद जानकारी छिपाते हुए शव को उसके घर पर छोड़ देने से बवाल मच गया। कंपनी की इस तरह की हरकतों से अब यह सवाल उठ रहा है कि वह किस के संरक्षण में अपनी मनमानी जारी रखे हुए है। बहरहाल जल्द ही लल्लू पटेल की मौत से रहस्य का पर्दा उठ जायेगा, और पुलिस घटना के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

संभागों में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के लिए खुलेंगे नए प्रयास विद्यालय व हॉस्टल,बनेगी ई-लाईब्रेरी

रायपुर ,18 दिसम्बर 2022(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरू बाबा घासीदास की जयंती पर अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने राजधानी रायपुर आयोजित कार्यक्रम में सभी संभागीय मुख्यालयों में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रयास विद्यालय प्रारंभ करने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने इन वर्गों के लिए पृथक-पृथक छात्रावास तथा नगर निगम रायपुर द्वारा पेंशन बाड़ा स्थित अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास में 50 लाख रूपए की लागत से ई-लाईब्रेरी प्रारंभ करने की घोषणा की ।

मुख्यमंत्री ने शासकीय आदर्श पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास पेंशनबाड़ा में आयोजित बाबा गुरू घासीदास जंयती समारोह में कहा कि गुरुघासीदास जी एक ऐसे संत थे जिन्होंने मानवता को बचाने के लिए मानव-मानव एक समान का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने समाज में फैली कुरूतियों को दूर करने के लिए समानता, भाईचारा, प्रेम और सद्भाव का भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरू घासीदास जी एकमात्र संत हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ी में उपदेश दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा बोली को आगे बढ़ाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में कौन व्यक्ति, कहां, किस धर्म में, किस स्थान में जन्म लेगा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम अच्छी शिक्षा से व्यक्तित्व को निखार सकते है और जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते है। छत्तीसगढ़ सरकार भी बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण अच्छी शिक्षा देने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर में बंद 260 स्कूल हमने पुनः शुरू किया है। बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके इसलिए 279 स्वामी आत्मानंद उत्कृट अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले। हमारी सरकार ने बड़ी संख्या में 1998 के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में शिक्षकों की भर्ती की है। उन्होंने कहा प्रदेश के शाला भवनों, आश्रमों एवं छात्रावासों के कायाकल्प के लिए एक हजार करोड़ रूपए स्वीकृत किया है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के लिए भी छत्तीसगढ़ सरकार राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत् प्रति वर्ष 7 हजार रूपए की राशि दे रही है ।

छग में चल रहे आरक्षण विवाद के बीच राज्यपाल का दिल्ली दौरा

राष्ट्रपति,प्रधान मंत्री से करेंगीं मुलाकात

रायपुर ,18 दिसम्बर 2022(ए)। राज्यपाल अनुसुईया उइके कुछ ही देर में दिल्ली रवाना हो रहीं हैं। 19 ङ्क 20 दिसंबर को उनका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात का कार्यक्रम है। उनका 21 दिसंबर की रात लौटने का शेड्यूल है।

राज्यपाल के दौरे को पूर्व निर्धारित रूटीन बताया जा रहा है, मगर इस बार वे ऐसे समय में जा रहीं हैं, जब उनके और सरकार के बीच 76त्न के आरक्षण विधेयक को लेकर टकराव के हालात हैं। इस मुद्दे को लेकर दोनों पक्ष से फ़िलहाल बयानबाजी चल रही है।

राज्यपाल अनुसुइया उईके के दिल्ली दौरे पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि जल्दी से उन्हें आरक्षण पर हस्ताक्षर करना चाहिए, अपने बात पर कायम रहना चाहिए। आरक्षण का लाभ छात्र, छात्राओं को और जो नौकरी में भर्ती होना चाहते हैं, उनको मिलना चाहिऐ । इसमें विलंब कतई उचित नहीं है।

गौरतलब है कि 19 सितंबर को हाईकोर्ट ने प्रदेश में लागू 58 प्रतिशत आरक्षण को असंवैधानिक बताते हुए इसे निरस्त कर दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने कुल 76 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान करते हुए विधानसभा में आरक्षण संशोधन विधेयक पारित किया है। हाई कोर्ट के पूर्व के फैसले को लेकर ही राज्यपाल सवाल उठा रहीं हैं कि पहले के आरक्षण के प्रतिशत को और भी बढ़ा दिए जाने के बाद कोई बाधा तो नहीं आएगी ?

कांग्रेस प्रदेश सरकार के चार साल पूरे,मंत्री सहित विधायकों ने गिनाई उपलब्धियां

रायपुर ,18 दिसम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नेतृत्व अविश्वसनीय विश्वसनीयता का सबसे बड़ा राजनीति का उदाहरण बना। समूचे छत्तीसगढ़ में एक नारा चल रहा भूपेश है तो भरोसा है। लोगों का विश्वास लोकतंत्र में किसी राजनीतिक नेतृत्व के प्रति बहुत दिनों बाद दिखाई दिया। जनता का इतना बड़ा भरोसा, इतना बड़ा विश्वास केवल चार सालों के कार्यकाल में नेतृत्व के द्वारा अर्जित किया गया ये हमारे लिये सबसे बड़ा उपलब्धि है। यह बातें कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने पत्रकार वार्ता के दौरान कही।

मंत्री चौबे में सरकार की 4 साल की उपलब्धियों बताते हुए कहा की हमने 2 साल कोरोना के बावजूद 4 साल की उपलब्धियों से सभी अखबारों के पन्ने भरे हुए। हमने अपने वादे पूरे किए, लोगो को रोजगार मिला है। विश्वसनीय विश्वशनीयता का सबसे बड़ा उदहारण बना भूपेश बघेल का नेतृत्व। बता दें की मंत्री ने प्रदेश में नारा चल रहे नारे का जिक्र भी किया और कहा की लोग मान के चल रहे है जो बात भूपेश बघेल ने कही है उनके मुंह से निकली है वो पूरा होगी ही होगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को लोग नक्सलगढ़ कहना प्रारंभ कर दिये थे। लाल आतंक हमारी पहचान बन गयी थी। बस्तर में सामांतर सरकार चलायी जा रही है।

आगे मंत्री चौबे ने केंद्र का जिक्र करते हुए बताया की राजनैतिक विचार धाराओं की लड़ाई हो सकती है कई बार केंद्र के साथ टकराव तक होता है पर सरकार की सब से बड़ी उपलब्धि में यह गिन सकते है की नीति आयोग की बैठक में पीएम के द्वारा सीएम की प्रशंसा और उनके कामों की प्रशंसा ये सब से बड़ी उपलब्धि रहीं।

पूर्व में हुए प्रदेश में नक्सल हमलो को लेकर चौबे ने कहा छत्तीसगढ़ को लोग नक्सल गढ़ कहने लग गए थे । बस्तर में समानांतर सरकार नक्सल चला रहे थे ऐसे लगता था। मगर चार सालों में वहां इतना काम हुआ है कि आज छत्तीसगढ़ की अलग पहचान बन चुकी है। पहले हमनें वहां की इकोनॉमी पर काम किया जिससे युवाओं को रोजगार मिला। अभी भी कुछ जिले नक्सल प्रभावित हो सकते हैं पर नक्सल गतिविधियों में नकेल काफी हद तक कसी जा चुकी है।

केंद्र से मिले पुरुस्कारो का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा की हमारी सारी योजनाओं को केंद्र सरकार ने पुरस्कृत किया है। सरकार की मंशा बताते हुए चौबे ने कहा की बॉटम ऑफ अप्रोच जो सोच है वो बाकी सब से अलग है छत्तीसगढ़ के किसानों को मजदूरों को 1 लाख 50 हजार करोड़ दिया है।

पत्रकारों से बात करते हुए संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने प्रदेश के बने की सोच और उस समय को याद किया और कहा छत्तीसगढ़ प्रदेश बनने का सपन हमारे पुरखों ने जो देखा वो आज पूरा होता दिख रहा हैं। बेरोजगारी की 1त्न से भी काम दिख रहा है। हिमांचल प्रदेश में छत्तीसगढ़ को 5 पॉइंट लिए थे वहा लोगों को ये विश्वास था की अगर छत्तीसगढ़ में हुआ है तो यहां भी होगा। तभी वहा कांग्रेस की सरकार आई।

कांग्रेस के गुंडे कर रहे आदिवासी का अपमान:केदार कश्यप

सरगुजा में मंत्री के चहेते ने आदिवासी पत्रकार को बताया जूठन चाटने वाली जात

रायपुर ,18 दिसम्बर 2022(ए)। प्रदेश भाजपा महामंत्री व छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व वरिष्ठ मंत्री केदार कश्यप ने सरगुजा में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार आदिवासी युवा को कांग्रेस नेता इरफान सिद्दीकी द्वारा जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देने की शिकायत पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार के संरक्षण में कांग्रेस के नेता आदिवासी समाज को जूठन पर पलने वाला बताकर आदिवासी समाज को गाली दे रहे हैं। स्वाभिमानी राष्ट्रभक्त आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास को कांग्रेस लांछित कर रही है, अपमानित कर रही है और प्रताड़ित कर रही है। जिस समाज ने कांग्रेस को छत्तीसगढ़ की सत्ता सौंपी, उसी आदिवासी समाज को नीचा दिखाने का दुस्साहस कांग्रेस के लोग कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सरगुजा के चिरगा में एल्युमिना प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट का विरोध करने वाले ग्रामीणों द्वारा मंत्री अमरजीत भगत का घेराव करने की खबर पर रिपोर्टिंग करने पहुंचे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार सुशील बखला को मंत्री भगत के करीबी कांग्रेस नेता इरफान सिद्दीकी ने फोन पर जातिसूचक भद्दी गालियां देते हुए न केवल धमकाया बल्कि चिरगा से लौटने पर रास्ते में रोककर जान से मारने की धमकी दी।

भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भूपेश बघेल और कांग्रेस गुंडे पाल रहे हैं। बिलासपुर में एक कांग्रेस नेता की हत्या के बाद भूपेश बघेल की पुलिस बता रही है कि वह हिस्ट्रीशीटर था। अब सरगुजा में कांग्रेस नेता इरफान सिद्दीकी ने आदिवासी समाज से जुड़े पत्रकार से गुंडई की। उसे जातिगत अपमान और प्रताड़ना झेलना पड़ी। सरकार और उसके मंत्री तुष्टिकरण की नीति पर चलते हुए अब छत्तीसगढ़ के मूल आदिवासी को जो औकात बता रहे हैं, वह भूपेश बघेल सरकार के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। आखिर क्या कारण है कि मंत्री अपने गुर्गों से मीडिया कवरेज रुकवाने इतने गिर गए कि आदिवासी समाज को जूठन चाटने वाला ठहराया जा रहा है।

बस एक फोन कॉल पर अब घर बैठे मिलेगा पैन कार्ड

रायपुर ,18 दिसम्बर 2022(ए)। सरकार के 4 साल पूरे होने पर सीएम भूपेश बघेल ने प्रदेश के लोगों को बड़ी सौगात दी है। अब आपको पैन कार्ड घर बैठ उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री मितान योजना को लेकर प्रदेश में बढ़ रहे रुझान के बीच योजना का विस्तार किया गया है। बस अब एक फोन कॉल पर मितान आपके घर पहुंचकर आपका पैन कार्ड तैयार करेंगे।

इससे पहले मितान योजना को लोक सेवा गारंटी योजनाओं से जोड़ा गया था, जिसके तहत, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र सहित योजनाओं का घर बैठे लाभ लोगो को मिल रहा था।

राज्य के नागरिकों को मिल रहे योजनाओं के लाभ के मद्देनजर अब इसकी सेवा पैन कार्ड से भी जोड़ी गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर बताया है कि टोल फ्री नंबर 14545 पर फोन करते ही मितान आपके घर पहुंचेंगे और फिर आपका पैन कार्ड घर बैठे ही आपको उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री के इस फैसले का लाभ 14 नगर निगम में लोगों को मिलेगा।

न्यू ईयर की गाइडलाइन जारी

रात साढ़े 12 बजे के बाद नहीं होगी पार्टी

हुड़दंग मचाया तो खैर नहीं

रायपुर ,18 दिसम्बर 2022(ए)। राजधानी रायपुर में न्यू ईयर पार्टी को लेकर जिला प्रशासन ने शनिवार शाम गाइडलाइन जारी कर दी है। कोविड काल के बाद यह पहला मौका है, जब न्यू ईयर के जश्न में कोई खास पाबंदियां नहीं लगाई गई हैं।

रायपुर कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भूरे, एसएसपी प्रशांत अग्रवाल से चर्चा के बाद एडीएम एनआर साहू ने रायपुर शहर के सभी होटल मैरिज पैलेस क्लब कैफे मालिकों की एक बैठक लेकर नए साल की गाइड लाइन तय की है।

जश्न में कोई रोक-टोक नहीं

इस साल नए साल के जश्न में कोई रोक-टोक नहीं होगी,लेकिन कुछ खास नियमों का जरूर पालन करना होगा। जिला प्रशासन की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक, न्यू ईयर इवेंट पार्टीज में शराब परोसने के लिए लाइसेंस लेना होगा, लाइसेंस की जांच करने के लिए अलग से प्रशासनिक टीम भी बनाई जाएगी जो इवेंट्स में जाकर जांच कर सकेगी।

शहर के किसी भी होटल रिजॉर्ट क्लब में न्यू ईयर की पार्टी रात 12:30 बजे के बाद आयोजित नहीं की जा सकेगी। कार्यक्रम आयोजन से पहले जिला प्रशासन से अनुमति भी लेनी होगी। किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर आयोजक या रिजॉर्ट, क्लब, होटल संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

सभी आयोजकों को अपनी पार्टी इसमें डीजे और साउंड सिस्टम का जिम्मेदारी से उपयोग करना होगा। आम लोगों को होने वाली दिक्कत की शिकायत मिलने पर साउंड सिस्टम जब्ती की कार्रवाई की जा सकती है।

कार्यक्रम आयोजन स्थल पर सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य होगा, ताकि आने जाने वाले लोगों पर निगरानी रखी जा सके। इसके अलावा पार्किंग की व्यवस्था भी आयोजकों को करनी होगी। गाड़ियों के बेतरतीब सड़कों पर खड़ी रहने पर पुलिस प्रशासन जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

मलबे के नीचे दब गए 2 मजदूरों की हालत गंभीर

जांजगीर-चांपा ,18 दिसम्बर 2022(ए)। जिले में एक स्कूल के जर्जर भवन को तोड़े जाने के दौरान छत भरभरा कर गिर गई। इस दौरान यहां काम कर रहे 2 मजदूर मलबे में दब गए, जिन्हें बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। यह हादसा बलौदा के जावलपुर गांव में हुआ, जहां प्राथमिक स्कूल की जर्जर भवन की मरम्मत के लिए तोड़-फोड़ का काम चल रहा था, इसी दौरान जर्जर भवन की छत गिर गयी, इस घटना में महुदा गांव के रहने वाले दो मजदूर नीचे दब गये। इस दौरान यहां अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। दोनों मजदूरों को तत्काल बाहर निकाला गया और पुलिस की 112 वाहन सेवा में बलौदा अस्पताल भेजा गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को बिलासपुर रिफर कर दिया गया। दोनों घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

आईआईटी के प्रोफेसर्स ने बनाया स्मार्ट इन्सुलिन माइक्रो निडिल

भिलाई ,18 दिसम्बर 2022(ए)। डायबिटिज मरीजों को राहत देने के लिए आईआईटी भिलाई के विशेषज्ञ ने एक ऐसा स्मार्ट इन्सुलिन माइक्रो निडिल बनाया है, जो शरीर में बेंडेड की तरह चिपका रहेगा और शुगर की मात्रा को जांचते रहेगा।

जैसे ही शुगर लेवल बढ़ेगा यह डिवाइस अपने आप ही शरीर को इंसुलिन की जितनी मात्रा चाहिए, उतनी शरीर में इंजेक्ट कर देगा। इससे मरीजों को रोज लगने वाले इंजेक्शन के दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

दो साल की मेहनत के बाद सफलता

आईआईटी भिलाई के केमेस्ट्री डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुचेतन पाल ने बताया कि दो साल की कड़ी मेहनत के बाद उनकी टीम ने स्मार्ट इंसुलिन डिवाइस बनाया है।

उनकी टीम में मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विजय दुर्योधन और एक स्टूडेंट अकबर अली है। उन्होंने इस पर पीएचडी की है। इस स्मार्ट इन्सुलिन का नाम उन्होंने माइक्रो निट इंसूलिन रखा है।

शुगर की मात्रा को डिटेक्ट करता रहेगा

डॉ सुचेतन ने बताया कि माइक्रो निडिल शरीर में ब्लड के टच में रहेगा, जो ब्लड में शुगर की मात्रा को लगातार डिटेक्ट करता रहेगा। जैसे ही मात्रा बढ़ेगी वैसी ही यह डिवाइस दवा को शरीर में इंजेक्ट कर देगा। वो भी उतना, जितना शरीर को चाहिए। न कम न ज्यादा। इन्सुलिन लेने के बाद खाना नहीं खाने से शुगर गिर जाता है।

स्टार्च से बनाया माइक्रो निडिल

मरीजों को दर्द से राहत देने और प्रोडक्ट सस्ता हो, इसके लिए चावल के स्टार्च से माइक्रो निडिल बनाया है। आम निडिल स्टील की होती है। छत्तीसगढ़ में आसानी से चावल का स्टार्च सस्ते में मिल जाता है। इससे यह प्रोडक्ट मात्र 100 रुपए में लोगों को मिल सकेगा। स्मार्ट इन्सुलिन का एक पैच दो से तीन बार उपयोग होगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)